UPHIN/2011/39718

(डिजिटल संस्करण)

बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

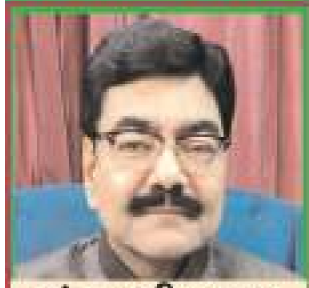

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-173 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) शुक्रवार 05 जून 2026 youngbharatE-paper.com

लखनऊ में किशोरियों को बेचने वाला अंतरराज्यीय गिरोह गिरफ्तार

मोहनलालगंज पुलिस ने की कार्रवाई

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज पुलिस ने मासूम बच्चियों को विवाह के लिए बेचने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह के तीन आरोपियों सहित एक बालअपचारी को गिरफ्तार किया गया है इस गैंग ने बीते महीने मोहनलालगंज से दो किशोरियों को अपने साथ ले जाया गया था जिसके बाद किशोरियों की नानी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर दोनों किशोरियों को बरामद कर लिया था।

मोहनलालगंज के गनियार गांव निवासी कमलेशा ने बीते 12 मई को शिकायत कर बताया था कि उनकी नातिन 16 व 12 वर्ष को उनकी रिश्तेदार अपनी साथी प्रिया पटेल निवासी रायबरेली के साथ बहला फुसलाकर ले गई इसके बाद 18 मई को पुलिस टीम ने दोनों किशोरियों को बरामद कर लिया। पुलिस के मुताबिक, विवेचना में पता चला कि एक बाल अपचारी व प्रिया पटेल निवासी रायबरेली द्वारा दोनों किशोरियों को ले गई थी। किशोरियों ने बयान में बताया कि प्रिया पटेल उनका साथी अनुराग यादव,अख्तर व बाल अपचारी द्वारा उन्हें राजस्थान ले जाया गया। आरोपी प्रिया पटेल ने पूछताछ में बताया कि सोनम नाम की महिला से उसकी मुलाकात हुई जिसके माध्यम से किशोरियों को शादी के लिए बेचा जाता था एक लड़की पर एक से डेढ़ लाख रुपए मिलते थे। वह किशोरियों को बहला फुसलाकर अपने साथ ले जाती थी और उन्हें अच्छे कपड़े दिए जाते थे इसके बाद राजस्थान ले जाकर बेच दिया था। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि रायबरेली की दो बहनों को भी कुछ समय पहले बेचा जा चुका है।

'घर छोड़ो वरना...' लखनऊ के पुलिस इंस्पेक्टर पर विधवा का गंभीर आरोप

एसपी के आदेश पर एफआईआर दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

संभल। असमोली थाना क्षेत्र की एक विधवा महिला की शिकायत पर एसपी के आदेश से लखनऊ के साइबर थाने में तैनात एक इंस्पेक्टर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। गांव अकबरपुर गहरा निवासी रीना ने एसपी के दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके पति ओमवीर की छह वर्ष पूर्व मृत्यु हो चुकी है।

पति की मौत के बाद वह मजदूरी कर अपनी चार बेटियों का पालन-पोषण कर रही है। बताया कि उसका देवर रोविन पुलिस विभाग में सिपाही है। जबकि उसके फुफेरे जेठ सुलेंद्र उर्फ सोनू भी यूपी पुलिस में इंस्पेक्टर हैं और वर्तमान में लखनऊ के साइबर थाने में तैनात हैं। आरोप है कि उसकी ननद और फुफेरे जेठ के बीच अवैध संबंध हैं। बताया कि दोनों को कई बार आपत्तिजनक स्थिति में देखा गया है। बताया कि ननद, देवर, सास और फुफेरे जेठ चाहते हैं कि वह अपनी बेटियों के साथ घर छोड़ दें, जिससे वे अपनी मनमानी कर सकें। आरोप लगाया कि इंस्पेक्टर सुलेंद्र उसकी नाबालिग बेटी पर गलत नजर रखता है और वह नहीं चाहती कि वह घर पर आए। उसकी ननद अपने पति से न्यायालय के माध्यम से खर्चा प्राप्त कर रही है और वर्तमान में उनके घर पर रह रही है। कहा कि 27 अप्रैल 2026 को ननद की शिकायत करने पर इंस्पेक्टर सुलेंद्र ने फोन पर उसे और उसकी बेटी को गालियां दीं तथा घर से निकालने की धमकी दी। जिसकी उसके पास बातचीत की आडियो भी मौजूद है। आरोप लगाया कि सुलेंद्र पुलिस विभाग में अपनी नौकरी का प्रभाव दिखाकर दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है। बताया कि उसने पहले असमोली थाने में भी शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद एसपी से गुहार लगाई गई। एसपी के आदेश पर असमोली पुलिस ने मुरादाबाद जनपद के पाकबड़ा थाना क्षेत्र के गांव हसनपुर निवासी इंस्पेक्टर सुलेंद्र उर्फ सोनू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

सुर्खियां............

ट्रक मालिक से मारपीट कर रकम छीनने में 6 लोंगो विरुद्ध मुकद्दम दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। स्थानीय तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बरही बंबा में बीते दिनों हुई मारपीट व पैसे छीनने की घटना के मामले में ट्रक मालिक के द्वारा कोतवाली कालपी में 6 लोंगो के खिलाफ सुसंगत धाराओं में अभियोग दर्ज कराया गया है।

शराब के लिए पैसा न देने पर गाली-गलौज कर दी धमकी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला प्रताप नगर में एक मजदूर ने मुहल्ले के ही एक व्यक्ति पर शराब पीने के लिए पैसे मांगने, गाली-गलौज करने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है।पीड़ित ने बुधवार को कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

पौने 2 साल की कालपी की सेवा करने वाले सीओ अवधेश सिंह स्थानांतरित

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। प्रदेश में बड़े स्तर पर हुए पुलिस उपाधीक्षकों के तबादलों के क्रम में कालपी के क्षेत्राधिकारी अवधेश कुमार सिंह का तबादला श्रावस्ती जनपद में हो गया है। अपने पौने दो साल के सीओ पद के कार्यकाल में अवधेश कुमार सिंह ने कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उल्लेखनीय हो कि मैनपुरी जनपद के मूल निवासी अवधेश कुमार सिंह बतौर सब इंस्पेक्टर के पद से भर्ती हुए थे। प्रोन्नति होकर वह इंस्पेक्टर भी बन गए थे।

यूपी चुनाव में लोकसभा वाला फॉर्मूला! 150 सीटों पर उम्मीदवारों की तलाश तेज; 'फेंस सिटर्स' पर भी पार्टी की नजर

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव भले ही अभी दूर हों, लेकिन समाजवादी पार्टी (सपा) ने चुनावी तैयारियों को तेज कर दिया है। लोकसभा चुनाव 2024 में अपनाए गए संगठनात्मक और चुनावी मॉडल को आधार बनाकर पार्टी अब विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की तलाश में जुट गई है। इसी कड़ी में पार्टी नेतृत्व विभिन्न जिलों के संगठनात्मक पदाधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर रहा है और संभावित उम्मीदवारों के नामों पर मंथन चल रहा है। इसके साथ ही सपा ने इस बार उन नेताओं पर भी नजरें टिकाई हैं जो फिलहाल अन्य दलों में हैं, लेकिन भविष्य में पार्टी का दामन थाम सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, समाजवादी पार्टी नेतृत्व अब तक करीब 35 जिलों की 150 विधानसभा सीटों को लेकर संगठन के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कर चुका है। जिला स्तर पर चल रही इस प्रक्रिया का दूसरा चरण भी जल्द शुरू होने वाला है। पार्टी का लक्ष्य जुलाई के पहले सप्ताह तक उम्मीदवारों की शॉर्टलिस्टिंग की पूरी प्रक्रिया को अंतिम रूप देना है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया काफी हद तक वही है, जिसे लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान अपनाया गया था। हालांकि, इस बार कुछ नए प्रयोग भी किए जा रहे हैं ताकि विधानसभा चुनाव में पार्टी की स्थिति और मजबूत हो सके। उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया में इस बार सपा ने एक नया वर्ग 'फेंस सिटर्स' भी शामिल किया है। इसमें ऐसे नेताओं को रखा गया है जो वर्तमान में भाजपा, राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी), सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) या अन्य दलों में हैं, लेकिन राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार पाला बदल सकते हैं। जिला स्तर के पदाधिकारियों को ऐसे संभावित नेताओं की पहचान कर उनकी राजनीतिक पकड़ और चुनावी जीत की संभावनाओं का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं। पार्टी का मानना है कि कई क्षेत्रों में ऐसे प्रभावशाली चेहरे चुनावी समीकरण बदल सकते हैं। 'फेंस सिटर्स' की सूची में एसबीएसपी के मऊ विधायक अब्बास अंसारी का नाम भी चर्चा में है। मऊ में उनके कार्यालय पर समाजवादी पार्टी के बैनर लगाए जाने की खबरों ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दिया है। इसके अलावा ऐसे कुछ नेता भी पार्टी के रडार पर बताए जा रहे हैं जिनके संबंध हाल के वर्षों में सपा नेतृत्व से तनावपूर्ण रहे हैं, लेकिन भविष्य में उनकी वापसी की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा रहा हालांकि, पार्टी के पदाधिकारी इस सवाल पर चुप्पी साधे हुए हैं कि कांग्रेस की पारंपरिक सीटों या संभावित गठबंधन वाले क्षेत्रों में उम्मीदवार चयन को लेकर क्या रणनीति अपनाई जाएगी। सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने उन सीटों पर भी उम्मीदवारों की पहचान शुरू कर दी है जहां वह लगातार चुनाव जीतती रही है। इसके साथ ही उन सीटों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है जहां हाल के चुनावों में सपा को सफलता नहीं मिली। करीब 24 जिलों में संगठनात्मक पदाधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां दी गई हैं ताकि स्थानीय स्तर पर राजनीतिक समीकरणों, जातीय संरचना, जनाधार और संभावित उम्मीदवारों की स्वीकार्यता का विस्तृत आकलन किया जा सके। पार्टी नेतृत्व इस बार टिकट वितरण में स्थानीय फीडबैक को विशेष महत्व देने के मूड में दिखाई दे रहा है।

लखनऊ में भाजपा का नया प्रदेश मुख्यालय बनेगा, 45 करोड़ में खरीदी गई जमीन

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। भाजपा) ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अपने नए प्रदेश मुख्यालय के निर्माण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। बुधवार को पार्टी ने जीजामऊ क्षेत्र में करीब 45 करोड़ रुपये की लागत से 5500 वर्ग मीटर भूमि खरीद ली। पार्टी सूत्रों के अनुसार, खरीदी गई जमीन पर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस छह मंजिला भवन का निर्माण किया जाएगा। नया मुख्यालय संगठनात्मक गतिविधियों, बैठकों और विभिन्न प्रशासनिक कार्यों का प्रमुख केंद्र होगा।

प्रस्तावित भवन की सबसे खास बात इसकी छत पर बनने वाला हेलीपैड होगा। इससे वरिष्ठ नेताओं और वीआईपी आवागमन को सुविधाजनक बनाने की योजना है। भाजपा का मानना है कि नया मुख्यालय बनने से प्रदेश स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को बेहतर ढंग से संचालित किया जा सकेगा। इसमें आधुनिक कार्यालय, बैठक कक्ष,

कॉन्फ्रेंस सुविधाएं और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। जीजामऊ क्षेत्र में खरीदी गई जमीन को संगठनात्मक और यातायात सुविधाओं के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यहां से प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए संपर्क और समन्वय आसान होगा। राज्य में संगठन को और मजबूत बनाने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नया मुख्यालय पार्टी की बढ़ती गतिविधियों और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया जाएगा। राजनीतिक हलकों में इस परियोजना को भाजपा के संगठनात्मक विस्तार और दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। निर्माण कार्य की रूपरेखा और समय-सीमा को लेकर जल्द ही विस्तृत योजना सामने आ सकती है।

दिल्ली होटल आग, मालिक 4 दिन पुलिस रिमांड पर

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश होटल में लगी आग मामले में मालिक लवकेश बजाज को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। बजाज को पुलिस ने दिल्ली कोर्ट में पेश किया था। वहीं, बजाज ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के दौरान बजाज अपनी कार से जलती हुई इमारत के पास से गुजरा, लेकिन लोगों की मदद करने के बजाय वहां से निकल गया।

होटल मालिक

उसने बताया कि वह डर के कारण मौके से भाग गया था। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने न तो किसी की मदद की और न ही घर गया। इसके बजाय वह शहर में इधर-उधर घूमता रहा। बुधवार को लगी इस भीषण आग ने पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया था, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। घटना के कुछ घंटों बाद पुलिस ने बजाज को हिरासत में लिया था। गिरफ्तार होटल मालिक लवकेश बजाज ने बताया कि वह खुद होटल की निगरानी नहीं करता था। उसने होटल के मैनेजमेंट, बिलिंग और अकाउंट्स का काम किसी और व्यक्ति को दिया था। उसने यह भी कहा कि होटल में कमरे बड़े करने और अन्य बदलावों की सलाह भी किसी अन्य व्यक्ति ने दी थी। बजाज ने दावा किया कि सलाह देने वाले व्यक्ति ने उससे कहा था- होटल में ये सारे मॉडिफिकेशन नॉर्मल हैं और दिल्ली में सब चलता है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, आग सुबह 8:30 बजे लगी। कुछ मिनट में धुआं पूरी इमारत में फैल गया। ऊपरी मंजिलों पर ठहरे लोगों को निकलने का मौका नहीं मिला। फायर सर्विस, पुलिस और स्थानीय लोगों ने 58 लोगों को बाहर निकाला।इनमें 35 घायल हैं। इस दौरान 10 पुलिसकर्मी भी घायल हुए। मैक्स अस्पताल ने बताया, 39 लोगों को लाया गया था, जिसमें 18 की अस्पताल आने से पहले मौत हो चुकी थी। 15 आईसीयू में भर्ती हैं और इनमें 8 वेंटिलेटर पर हैं। मृतकों में 11 विदेशी और 10 भारतीय हैं। विदेशियों में 9 अफ्रीकी देशों और 2 तुर्कमेनिस्तान के नागरिक हैं। शवों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट होगा। पुलिस ने होटल मालिक लवकेश बजाज को गिरफ्तार कर लिया है। खिड़कियां बंद थीं। वेंटिलेशन नहीं था। आने-जाने का सिर्फ एक रास्ता था। जगह काफी सकरी थी। बाहरी फायर एस्केप (आपातकालीन निकास) की कोई व्यवस्था नहीं थी। ऐसी इमारतें चिमनी जैसी बन जाती हैं, धुआं-गर्मी कुछ ही सेकंड में ऊपर पहुंच जाती है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, सेंसर आधारित मुख्य गेट बंद हो गया था। इसकी वजह से लोग बाहर ही नहीं निकल पाए। मालिकों ने अवैध रूप से इमारत में बदलाव किए। अनुमति सिर्फ 6 कमरों की थी, लेकिन 25 कमरे बना दिए गए। स्मोक डिटेक्टर, फायर अलार्म और स्प्रिंकलर सिस्टम जैसे जरूरी फायर सेफ्टी उपकरण काम नहीं कर रहे थे। ग्राउंड फ्लोर पर कई भारी एलपीजी सिलेंडर रखे गए थे, जिनके लिए कोई फायर-आइसोलेशन सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। अधिकारियों के अनुसार, इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर रेस्टोरेंट था, जबकि बेसमेंट और ऊपरी मंजिलों का इस्तेमाल होटल के रूप में किया जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के बाद कई लोग बेसमेंट में फंस गए। एक स्थानीय व्यक्ति ने दावा किया कि बेसमेंट का दरवाजा बंद था और उसे खोलने में दमकलकर्मियों को 20 मिनट से ज्यादा समय लग गया।

भूमि हड़पुओं ने प्रशासन की सख्ती के बाद माफियागिरी छोड़ कर हटा लिए कब्जे

नगर मे भूमाफियाओ के कब्जा की खबरे समाचार पत्रो में प्रमुखता से हुई थी प्रकाशित

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर और आसपास के इलाकों में सरकारी गूलों और नरिया-नालों को पाट कर कब्जियाने का मामला प्रशासन के संज्ञान में आने के बाद भूमाफियाओं को हला कर रख लिया।समाचार पत्रो में छपी खबर का संज्ञान लेकर प्रशासन ने सरकारी संपत्तियों को कब्जियाने वालों के प्रति जैसे ही कड़ा रुख किया, गूलों और नरिया-नालों को साफ करने का सिलसिला शुरू हो गया है। कब्जा धारक दंडात्मक कार्रवाई से खौफजदा हैं और खुद ही अवैध तरीके से हथियाई गई गूलों को छोड़कर भागने लगे हैं। प्रशासन उन तमाम गूलों और नरिया-नालों की जांच भी कराने वाला है जो अवैध तरीके से लोगों ने कब्जा कर रखे हैं।गौरतलब है कि प्रशासन को चुनौती देते हुए खुलेआम रियल एस्टेट का कारोबार करने वाले लोग सरकारी गूलों और नरिया-नालों को पाट कर अपनी प्लाटिंग में शामिल करते जा रहे हैं, नतीजतन बारिश के दिनों में जलभराव की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है और किसानों के सामने सिंचाई का संकट खड़ा होने लगा है। दरअसल, इन दिनों कृषि भूमि को खरीदकर उसे आवासीय प्लाटों में तब्दील करने का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। इस कारोबार में कुछ भूमाफिया सरकारी गूलें, नरिया-नालों और जल निकासी के रास्तों को भी मिट्टी डालकर अपने प्लाटों में शामिल कर रहे हैं। इससे वर्षों पुरानी जल निकासी व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ताजा मामला कोंच-कैलिया मार्ग का सामने आया है। ताज गार्डन के सामने स्थित खेतों के आगे सड़क किनारे एक सरकारी नरिया निकली हुई थी, जिसके माध्यम से बरसात का पानी निकलता था और आसपास के किसान सिंचाई के लिए भी इसका उपयोग करते थे। कुछ समय पहले भूमाफियाओं ने आसपास की भूमि खरीदने के बाद प्लाटिंग शुरू की और इसी दौरान नरिया के किनारे खड़े हरे-भरे पेड़ों को कटवा दिया गया। इसके बाद नरिया को मिट्टी डालकर पाट दिया गया और उसे प्लाटिंग क्षेत्र में मिला लिया गया।समाचार पत्रो में छपी खबरो को संज्ञान लेकर प्रशासन के हरकत में आने के बाद अवैध कब्जा धारकों में हड़कंप की स्थिति है। प्रशासन के कड़े रुख को देखते हुए हड़बड़ाए कब्जा धारक अब पाटे गए गूलों और नरिया-नालों को खोलने में जुट गए हैं जिससे इलाकाई लोगों और किसानों ने राहत की सांस ली है। लोगों का कहना है कि नरिया को ही नहीं बल्कि वहां बनी पुलिया को भी मिट्टी में दबा दिया गया था ताकि भविष्य में उसके अस्तित्व का कोई प्रमाण न बच सके। इसका परिणाम यह हुआ कि बरसाती पानी की निकासी बंद हो गई और क्षेत्र में जलभराव की स्थिति बनने लगी है। प्रशासन अब सख्ती के साथ उन गूलों और नरिया-नालों की भी जांच कराने के मूड में है जिनको लोगों ने अवैध तरीके से दबा रखा है।

ऐसी सभी गूलों और नालों की जांच कराई जाएगी जिन्हें कब्जियाया गया है-एसडीएम

कोंच सरकारी संपत्तियों पर अवैध कब्जों को लेकर प्रशासन ने रुख टेढ़ा किया है। प्रशासन ऐसे तत्वों के खिलाफ एक्शन मोड में नजर आ रहा है। एसडीएम हेमंत पटेल का कहना है कि वह ऐसे सभी गूलों और नरिया-नालों की जांच कराएंगे जिन पर लोगों ने बलात् कब्जा कर रखा है। उन्हें कब्जा मुक्त कराया जाएगा और संबंधितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पौने 2 साल की कालपी की सेवा करने वाले सीओ अवधेश सिंह स्थानांतरित

(यंग भारत न्यूज)

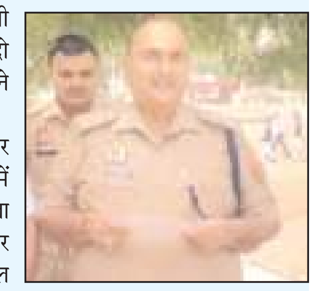

कालपी-उरई। प्रदेश में बड़े स्तर पर हुए पुलिस उपाधीक्षकों के तबादलों के क्रम में कालपी के क्षेत्राधिकारी अवधेश कुमार सिंह का तबादला श्रावस्ती जनपद में हो गया है। अपने पौने दो साल के सीओ पद के कार्यकाल में अवधेश कुमार सिंह ने कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उल्लेखनीय हो कि मैनपुरी जनपद के मूल निवासी अवधेश कुमार सिंह बतौर सब इंस्पेक्टर के पद से भर्ती हुए थे। प्रोन्नति होकर वह इंस्पेक्टर भी बन गए थे। इंस्पेक्टर रहते वर्ष 2015 में अवधेश कुमार सिंह करीब 1 वर्ष तक कालपी कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक का पद कुशलता पूर्वक निर्भय कर चुके हैं। अक्टूबर 2025 में उनकी नियुक्ति कालपी के क्षेत्राधिकार के पद पर हुई थी करीब पहुंचे 2 साल के कार्यकाल में अवधेश कुमार सिंह ने कई उपलब्धियां हासिल किया है। फिलहाल अभी कालपी के सीओ के पद पर किसी की उपयुक्त नहीं हुई है। समझा जाता है कि एक-दो दिन में कालपी के पद पर नये अधिकारी की नियुक्त होने की सम्भावना है।

आम रास्ते पर कथित अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणो में आक्रोश

कब्जा हटवाने की की प्रशासन से मांग

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम रामपुर सनेता (नकटेला) में आम रास्ते और सरकारी पेयजल स्रोत पर कथित अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। गुरुवार को ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल को शिकायती पत्र देकर तत्काल कार्रवाई की मांग की।ग्रामीण बाबूलाल, शोभाराम, जसमंत सहित अन्य लोगों ने आरोप लगाया कि गांव निवासी एवं उनके पुत्रों द्वारा सार्वजनिक आवागमन के रास्ते पर लिड़ोरी बनाकर और पशु बांधकर रास्ता अवरुद्ध कर दिया गया है। इससे ग्रामीणों को दैनिक आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि उक्त मामले को लेकर पहले सिविल जज जूनियर डिवीजन कोंच की अदालत में वाद संख्या 173/2025 दायर किया गया था, जिसे न्यायालय ने सुनवाई के बाद खारिज कर दिया था। इसके बावजूद कथित अतिक्रमण नहीं हटाया गया और रास्ता अब भी बाधित बना हुआ है।ग्रामीणों ने बताया कि 25 फरवरी 2026 को भी इस संबंध में एसडीएम को प्रार्थना पत्र दिया गया था, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने प्रशासन से न्यायालय के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए सार्वजनिक मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है।वही गांव के ही निवासी लालू पुत्र शोभाराम ने अलग शिकायत देकर आरोप लगाया कि एक व्यक्ति ने सरकारी हैंडपंप में समरसेबल पंप लगाकर उस पर कब्जा कर लिया है। उनका कहना है कि सार्वजनिक जलस्रोत के निजी उपयोग के कारण गांव में पेयजल संकट गहरा गया है और ग्रामीणों को स्वच्छ पानी नहीं मिल पा रहा है।

ग्रामीणों ने मांग की है कि सरकारी हैंडपंप से समरसेबल पंप हटवाकर उसे पुन: सार्वजनिक उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम ने दोनों शिकायतों को क्षेत्राधिकारी कोंच को अग्रसारित करते हुए शीघ्र जांच कर आवश्यक कार्रवाई एवं निस्तारण के निर्देश दिए हैं।

बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों के कारण नगर में जाम की समस्या बढ़ी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। नगर मे जाम की सबसे बड़ी वजह है कि सड़क किनारे बेतरतीब वाहन खड़े होने तथा सड़क के दोनों किनारो पे ठेले लगाकर सब्जी का फल बेचना, ई-रिक्शा और चार पहिया वाहन सड़क पर ही खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे रास्ता संकरा हो जाता है। फलस्वरूप ज़रा - जरा देर देर में जाम लग जाता है।

मालूम हो कि नगर में बढ़ती ई-रिक्शाओं की संख्या भी ट्रैफिक व्यवस्था पर भारी पड़ रही है। कई ई-रिक्शा चालक सवारी के इंतजार में बीच सड़क पर ही वाहन रोक देते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होता है। उल्लेखनीय हो कि यातायात के लिये कालपी में ट्रैफिक पुलिस का न होना तथा स्थायी पार्किंग व्यवस्था का अभाव भी समस्या को और गंभीर बना रहा है। बाजार में खरीदारी करने आने वाले लोगों के लिए पार्किंग की कोई उचित व्यवस्था नहीं होने से वाहन सड़क पर ही खड़े कर दिए जाते हैं।नगरवासियों ने प्रशासन से अपेक्षा की है कि नगर में स्थायी पार्किंग, ट्रैफिक कंट्रोल और ई-रिक्शाओं के लिए तय स्टैंड की व्यवस्था कर दे, तो कालपी नगर को जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिल सकती है। बीते दिनों अतिक्रमण हटने के बावजूद भी कालपी नगर की सड़कों पर जाम लोगों के लिए बड़ी परेशानी बना हुआ है।

एसडीएम की अगुवाई में जेसीबी से हटाया गया अतिक्रमण

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। शासन की नीतियों के अनुरूप सरकारी जमीनों में अवैध कब्जों को हटाने में प्रशासन कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। गुरुवार को उपजिलाधिकारी अमित शेखर की अगुवाई में तहसील कालपी क्षेत्र के कदौरा कस्बे में सरकारी टीम के द्वारा जेसीबी मशीन से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।

दरअसल नगर पंचायत कदौरा के अधिशासी अधिकारी का पद का दायित्व उपजिलाधिकारी कालपी अमित शेखर संभाले हुए हैं। उन्होंने जब कदौरा कस्बे के मुख्य सड़कों का हाल देखा तो कार्रवाई करने का निश्चय लिया। गुरुवार को उपजिलाधिकारी अमित शेखर के नेतृत्व में तहसीलदार कदौरा चंद्र मोहन शुक्ला तथा नगर पंचायत कदौरा की जेसीबी मशीन अतिक्रमण को हटाने के लिए निकल पड़ी। टीम के द्वारा मेन बाजार कदौरा से लेकर चतेला रोड के तांगा स्टैंड तक सड़क के दोनों तरफ के अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। जेसीबी मशीन से आस्थाई अवैध कब्जों को हटाया गया। टीम की कार्रवाई को देखकर अवैध कब्जा धारकों में बेचैनी फैल गयी।

सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाशों पर चोरी का आरोप लगाया

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। स्थानीय नगर के मोहल्ला तरीबुल्दा में अज्ञात बदमाशों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवरात, नकदी और अन्य कीमती सामान पार कर दिया। घटना के समय गृहस्वामी मजदूरी करने बाहर गया हुआ था। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। नगर के मुहल्ला तरीबुल्दा निवासी देवीदीन ने दिये शिकायती पत्र में अवगत कराया है कि वह बीते 1 जून 2026 को बाहर मजदूरी करने गया हुआ था। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने उसके सूने मकान के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। चोरों ने घर के अंदर रखे बक्से और अलमारी के ताले चटका कर उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ली। देवीदीन ने बताया कि 3 जून को मोहल्ले के लोगों ने उसे फोन पर सूचना दी कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ है। जब उसने घर लौटकर देखा तो अलमारी और बक्से खाली पड़े थे। पीड़ित ने अपनी तहरीर में अपने एक पड़ोसी के ऊपर आशंका जताई है। पुलिस मामले की जांच करने में जुट गई है।

ट्रक मालिक से मारपीट कर रकम छीनने में 6 लोंगो विरुद्ध मुकद्दम दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। स्थानीय तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बरही बंबा में बीते दिनों हुई मारपीट व पैसे छीनने की घटना के मामले में ट्रक मालिक के द्वारा कोतवाली कालपी में 6 लोंगो के खिलाफ सुसंगत धाराओं में अभियोग दर्ज कराया गया है।

उक्त मामले को लेकर वादी शारिक वेग पुत्र इमरान निवासी पुखरायां थाना भोगनीपुर ने कोतवाली कालपी में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि दिनांक 20.06 .2026 को समय करीब 7 बजे शाम को प्रार्थी अपनी गाड़ी का रोकड़ देने ड्राइवर को 25 हजार देने गया था। प्रार्थी अपनी गाड़ी का इंतजार बरही बंबा (देवपुरा) के पास कर रहा था। इसी दौरान वहां से आरोपीगण पुराना ड्राइवर लोकेंद्र यादव निवासी ग्राम तिरही अपने आरोपी साथियों संजय यादव निवासी तिरही, पवन यादव निवासी तिरही व अज्ञात तीन साथियों के साथ आए। तथा प्रार्थी के साथ मारपीट करने लगे। आरोपियों ने गाली गलौज किया व प्रार्थी की जेब में रखे 25 हजार की रोकड़ निकालकर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। आरोपीगण प्रार्थी की रोकड़ छीनकर मौके से भाग गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर बिबेचना शुरू कर दी है।

शराब के लिए पैसा न देने पर गाली-गलौज कर दी धमकी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला प्रताप नगर में एक मजदूर ने मुहल्ले के ही एक व्यक्ति पर शराब पीने के लिए पैसे मांगने, गाली-गलौज करने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है।पीड़ित ने बुधवार को कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार प्रताप नगर निवासी कपिल पुत्र शिवकुमार ने पुलिस ने प्रार्थनापत्र देकर बताया कि वह मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है और शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करना चाहता है। कपिल ने बताया कि 3 जून की शाम वह अपने घर के बाहर चबूतरे पर बैठा था।तभी मुहल्ले का संतोष बाल्मीकि पुत्र.रामस्वरूप निवासी प्रताप नगर उसके पास आया और शराब पीने के लिए पैसों की मांग करने लगा।शिकायतकर्ता का आरोप है कि जब उसने पैसे देने से मना कर दिया तो आरोपी भड़क गया और उसके साथ गाली-गलौज करने लगा।इतना ही नहीं उसने धमकी दी कि यदि उसे शराब के लिए पैसे नहीं दिए गए तो वह उसे मुहल्ले में चैन से नहीं रहने देगा। कपिल का कहना है कि आरोपी अक्सर नशे की हालत में लोगों के साथ अभद्र व्यवहार करता है और खुद को नुकसान पहुंचाकर दूसरों को झूठे मामलों में फंसाने की धमकियां भी देता रहता है।पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह किसी प्रकार का विवाद नहीं चाहता, लेकिन लगातार मिल रही धमकियों के कारण उसका परिवार भय और तनाव में जीवन यापन कर रहा है। उसने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे।

कोतवाल बोले

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दीवार तोड़कर नया दरवाजा लगाने को लेकर विवाद ने तूल पकड़ा

-ग्रामीण ने एसडीएम से की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम सदूपुरा में पैतृक संपत्ति से जुड़े रास्ते को लेकर विवाद सामने आया है। गांव के निवासी हाकिम सिंह पुत्र सुखलाल ने गुरुवार को उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल को शिकायती पत्र सौंपकर पड़ोसी पर आम रास्ते को प्रभावित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर शांति व्यवस्था बनाए रखने की मांग की है।शिकायती पत्र में हाकिम सिंह का कहना है कि उनकी पैतृक संपत्ति के पास लगभग छह फीट चौड़ा रास्ता है, जिसका उपयोग वह और उनके परिवार के सदस्य वर्षों से आवागमन के लिए करते आ रहे हैं। उनका आरोप है कि पड़ोसी, जिनका पहले से पूर्व दिशा में दरवाजा बना हुआ है, अब पश्चिम दिशा में स्थित करीब आठ फीट ऊंची दीवार को तोड़कर नया दरवाजा बनाने की तैयारी कर रहे हैं।हाकिम सिंह का दावा है कि यदि उक्त स्थान पर नया दरवाजा बनाया जाता है तो आम रास्ता प्रभावित होगा, जिससे न केवल उनके परिवार बल्कि आसपास के अन्य लोगों के आवागमन में भी परेशानी उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने आशंका व्यक्त कर बताया कि इससे भविष्य में विवाद और बढ़ सकता है तथा गांव का माहौल भी प्रभावित हो सकता है।प्रार्थी ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस कार्य का विरोध किया तो उन्हें धमकियां दी गईं। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने हस्तक्षेप नहीं किया तो स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है और शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका बनी रहेगी।

शिकायत में उन्होंने एसडीएम से मांग की है कि संबंधित दीवार को तोड़कर नया दरवाजा बनाने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने प्रशासन से दोनों पक्षों को सुनकर न्यायसंगत समाधान निकालने की भी अपील की है।वहीं उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल ने शिकायत का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच कर नियमानुसार उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सड़क हादसे में राहगीर की मौत पर वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। स्थानीय नगर कालपी के हाईवे ओवर ब्रिज में बीते महीने हुए सड़क दुर्घटना में मौत के मामले में पीड़ित पक्ष के द्वारा वाहन चालक के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है। उक्त मामले को लेकर वादी गोविंद पुत्र गेंदालाल निवासी डिलोलिया थाना भोगनीपुर जनपद कानपुर देहात ने कोतवाली कालपी मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि दिनांक 21.04.2026 को प्रार्थी का पुत्र धर्मेंद्र जिसकी उम्र लगभग 22 वर्ष मोटरसाइकिल से कालपी जा रहा था। कालपी ओवरब्रिज के पास किसी अज्ञात वाहन ने प्रार्थी के पुत्र की गाड़ी को टक्कर मार दी इस दुर्घटना में प्रार्थी के पुत्र को गंभीर चोटें आई थी। इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों द्वारा कानपुर हैलट अस्पताल के लिए इलाज हेतु रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान प्रार्थी के पुत्र की मृत्यु हो गई।

बहन को ससुराल छोडने गए जीजा सालो में विवाद

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परैथा में बहन को ससुराल छोड़ने आए तीन सालों और उनके जीजा के बीच विवाद के बाद मारपीट हो गई। घटना में बीच-बचाव करने पहुंची बहन रश्मि भी चोटिल हो गई।जानकारी के अनुसार

ग्राम परैथा निवासी अरविंद्र कुमार की पत्नी रश्मि को उसके भाई आकाश, सचिन और सुरेश निवासी सदगुआ, जनपद टीकमगढ़ बुधवार शाम ससुराल छोड़ने आए थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर अरविंद्र और उसके सालों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जीजा तथा सालों को कोतवाली ले आई। पुलिस ने मामले में सुरेश, सचिन और अरविंद्र के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई कर दी।

करोड़ों की लागत से बनकर तैयार उरई तहसील भवन में कब आएंगे अधिकारी, कर्मचारी

अभी तो शहर के बाहर गल्लामंडी में अस्थायी है तहसील की व्यवस्था

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित नई सदर तहसील भवन के संचालन को लेकर आम जनता लंबे समय से इंतजार कर रही है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस भवन का निर्माण तो लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन अब तक नियमित रूप से कार्यालयों का संचालन शुरू न होने से फरियादियों, अधिवक्ताओं और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को पुरानी व्यवस्था में ही कामकाज कराने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नए भवन के शुरू होने से राजस्व संबंधी कार्यों में सुविधा मिलेगी, साथ ही तहसील परिसर में बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध होंगी। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद भवन के उपयोग में देरी पर नागरिकों में सवाल उठ रहे हैं। जनता का कहना है कि शासन और प्रशासन को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि नई सदर तहसील भवन का संचालन आखिर कब से शुरू होगा। लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही भवन का लोकार्पण कर सभी कार्यालय वहां स्थानांतरित किए जाएंगे, जिससे राजस्व कार्यों का निस्तारण अधिक सुगमता से हो सकेगा। उत्तर प्रदेश में राजस्व विभाग के भवनों और तहसीलों के आधुनिकीकरण पर हाल के वर्षों में विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा नई तहसील एवं कलेक्ट्रेट परियोजनाओं को भी गति दी जा रही है। बताते चलें कि जिला मुख्यालय उरई सदर तहसील के निर्माण कार्य का ठेका कार्यदाई संस्था के परियोजना प्रबंधक प्रवीण कुमार शर्मा यूपी प्रोजेक्ट कार्पोरेशन लिमिटेड निर्माण इकाई झांसी को शासनादेश संख्या-21/2023/925/ एक-5-2023-41/2023/13 अक्टूबर 2023 को 11 करोड़ 12 लाख रुपए का दिया गया था। जिनके निर्माण करने की तिथि 2 फरवरी 2024 से शुरू हुई थी जिसका सम्पूर्ण निर्माण कार्य करने की तिथि 8 अगस्त 2025 नियत थी। फिलहाल कुछ कारणों की बजह से निर्माण कार्य में देरी तो हुई मगर भी माह के अंतिम में तहसील निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बाद अभी तक करोड़ों रुपए की लागत से बनी तहसील का शुभारंभ नहीं हो सका। जबकि भी के पहले सप्ताह में तहसील भवन के अंदर पूजा पाठ व हवन पूजन के बाद भंडारे का भी आयोजन हो चुका है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा किए गये शिलान्यास का शिलालेख भी तहसील परिसर के अंदर लग चुका है। सोचने की बात यह है कि इतना सबकुछ होने के बावजूद तहसील का शुभारंभ नहीं हो सका।

उरई में मानकविहीन निजी अस्पताल चलाए जा रहें हैं घूस की दम पर

उरई में प्राइवेट अस्पतालों के हाल बद से बदतर

- एक दिन बाद उरई के आधे अधूरे अनिका अस्पताल में डॉक्टरों की लापरवाही से चली गई एक मासूम की जान
- निजी अस्पताल पाले हुए हैं परमानेंट दलाल
- यह दलाल जिला अस्पताल सहित मेडिकल कॉलेज में भी है सक्रिय, कई तो स्टाफ वाले और नर्से आदि भी निजी अस्पतालों से अच्छा पैसा मिलने के कारण सरकारी अस्पतालों से भिजवा देते हैं मरीज
- तीमारदारों को देते हैं सस्ते में अच्छे इलाज का भरोसा और सरकारी अस्पतालों के कर देते हैं गुड़ गोवर
- जिले में निजी अस्पतालों की होगी पंजीकरण एवम मानक तथा सेवाभाव मरीजों के साथ अच्छे व्यवहार एवम सस्ता इलाज उपलब्ध कराए जाने संबंधी की भी जांच-सीएमओ

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शहर स्थित अनिका अस्पताल में एक मासूम बच्चे की मौत के मामले को स्वास्थ्य विभाग ने गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) हरि नंदन प्रसाद ने बताया कि अस्पताल से संबंधित अभिलेखों की गहन जांच कराई जा रही है तथा बच्चे के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, जिससे मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।सीएमओ ने कहा कि जनपद में निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली को लेकर यह दूसरी गंभीर घटना सामने आई है। ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग विशेष अभियान चलाकर जिले के सभी निजी अस्पतालों एवं नर्सिंग होमों की जांच करेगा। अभियान के दौरान अस्पतालों के पंजीकरण, चिकित्सकीय सुविधाओं एवं निर्धारित मानकों की जांच की जाएगी।उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना वैध पंजीकरण संचालित होने वाले अस्पतालों के विरुद्ध सीज की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता अथवा नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर संबंधित अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।स्वास्थ्य विभाग की इस सख्ती के बाद जिले के निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम संचालकों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। वहीं, आमजन स्वास्थ्य विभाग की जांच रिपोर्ट और आगे की कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने ओबीसी जनगणना व किसानों के मुद्दों पर उठाई आवाज

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शहर के रामनगर झांसी रोड़ स्थित रघुवीर धाम में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा एवं राष्ट्रीय किसान मोर्चा प्रदेश ब्यापी संयुक्त परिवर्तन यात्रा यहां आकर जनसभा में परिवर्तित हो गयी।

जिसकी अध्यक्षता चौधरी विकास पटेल राष्ट्रीय अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने की जबकि कार्यक्रम का संचालन रामशरण ने किया। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी विकास पटेल ने कहा कि ओबीसी जनगणना, किसानों के हितों और शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी विकास पटेल ने की, जबकि संचालन रामशरण ने किया। अपने संबोधन में चौधरी विकास पटेल ने कहा कि पहलगाम में हुए हमले के बाद सरकार द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था। उन्होंने कश्मीर और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि देश में पशुओं की जनगणना कराई जाती है, लेकिन ओबीसी समाज की अलग से जनगणना नहीं कराई जाती, जो पिछड़े वर्गों के साथ अन्याय है। उनका आरोप था कि कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बावजूद जनगणना अधिसूचना में ओबीसी और जाति संबंधी कॉलम शामिल न करना पिछड़े वर्गों के साथ धोखा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यूजीसी रेगुलेशन और आरक्षण से जुड़े मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि एससी और ओबीसी वर्गों के अधिकारों को कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन मुद्दों पर न्यायालय में प्रभावी पैरवी नहीं की गई।किसानों के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी गारंटी देने का आश्वासन पूरा नहीं किया गया, जिससे किसानों में निराशा है। उन्होंने किसानों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ताओं में एम.पी. प्रजापति पूर्व प्रधानाचार्य, एल. आर. अटल,भूपसिंह यादव झांसी मंडल बीएमपी, रामबाबू चौधरी जिलाध्यक्ष बीएमपी जालौन, धर्मेंद्र कुमार कदौरा जिलाध्यक्ष भारतीय मुक्ति मोर्चा, आर. बी. कुशवाहा अध्यक्ष राष्ट्रीय बहुजन मुक्ति मोर्चा, भगवान दास अध्यक्ष किसान मोर्चा सहित दर्जनों की संख्या में संगठन के वक्ता ने भी अपने अपने विचारों को रखा।

लोन में बिलंभ करने वाले बैंकों को डीएम की कड़ी फटकार

- मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, लंबित आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण करें बैंक - जिलाधिकारी
- जिलाधिकारी ने बैंकवार समीक्षा कर खराब प्रगति पर लगाई फटकार, पात्र युवाओं को शीघ्र ऋण उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक में बैंकवार लंबित आवेदनों, स्वीकृत एवं वितरित ऋणों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा में किया जाए तथा पात्र युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।जिलाधिकारी ने पाया कि विभिन्न बैंकों के पास बड़ी संख्या में आवेदन लंबित हैं, जबकि स्वीकृति एवं वितरण की प्रगति अपेक्षित स्तर पर नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। ऐसे में बैंकों द्वारा अनावश्यक विलंब करना बर्दास्त नहीं होगा।

उपायुक्त उधोग ने बताया कि विभिन्न बैंकों को कुल 872 आवेदन प्रेषित किए गए हैं, जिनके सापेक्ष मात्र 159 आवेदन स्वीकृत किए गए तथा केवल 83 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया है। जिलाधिकारी ने इस स्थिति पर बैंक अधिकारियों फटकार लगाते हुए लंबित प्रकरणों का विशेष अभियान चलाकर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए।उन्होंने विशेष रूप से उन बैंकों की समीक्षा की जिनके पास बड़ी संख्या में आवेदन लंबित हैं। भारतीय बैंक के पास 257, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के पास 222 तथा भारतीय स्टेट बैंक के पास 145 आवेदन प्रेषित किए गए हैं। जिलाधिकारी ने इन बैंकों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों की व्यक्तिगत समीक्षा कर पात्र आवेदकों को शीघ्र स्वीकृति एवं ऋण वितरण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि योजनाओं की सफलता तभी संभव है जब पात्र युवाओं को समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध हो। उन्होंने उपायुक्त उद्योग एवं लीड बैंक प्रबंधक को निर्देश दिए कि बैंकवार प्रगति की सतत निगरानी की जाए तथा जिन बैंकों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सभी बैंक इस योजना को प्राथमिकता पर लेते हुए अधिक से अधिक युवाओं को लाभान्वित करें।इस अवसर पर परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, उपायुक्त उद्योग धर्मेंद्र भास्कर, लीड बैंक मैनेजर अनुराग सक्सेना सहित विभिन्न बैंकों के अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ें, पर्यावरण संरक्षण में निभाएं अपनी भागीदारी - जिलाधिकारी

विश्व पर्यावरण दिवस पर जनपदवासियों से पौधरोपण करने और सेल्फी साझा करने की अपील, जनपद में 10 लाख पौधे रोपित करने का लक्ष्य

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने जनपदवासियों से आह्वान किया है कि वे पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां के सम्मान और प्रकृति के संरक्षण के संकल्प के साथ कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए तथा उसके संरक्षण का भी दायित्व निभाए। जिलाधिकारी ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद जालौन में लगभग 10 लाख पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके अंतर्गत विभिन्न विभागों, ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, शिक्षण संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक वृक्षारोपण अभियान संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान जनपद को हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित भविष्य की आधारशिला भी हैं। बढ़ते तापमान, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए जनभागीदारी के साथ व्यापक स्तर पर पौधरोपण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एक पौधा लगाना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने जनपदवासियों, युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संगठनों, ग्राम पंचायतों, नगर निकायों एवं सामाजिक संस्थाओं से अपील की कि वे विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण कर उसकी फोटो अथवा सेल्फी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा करें, जिससे अधिक से अधिक लोग इस अभियान से प्रेरित होकर जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के साथ-साथ पौधों का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जिससे लगाए गए पौधे भविष्य में विशाल वृक्ष बन सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। एक पेड़ मां के नाम अभियान इसी दिशा में जनभागीदारी को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे केवल पौधा लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि उसके संरक्षण एवं संवर्धन का भी संकल्प लें, ताकि जालौन को हरित, स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल जनपद बनाया जा सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि जनपद का प्रत्येक नागरिक इस अभियान से जुड़कर एक-एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल सुनिश्चित करे, तो जालौन में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का एक सशक्त जनआंदोलन खड़ा किया जा सकता है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर सिद्ध होगा।

ओवरलोड वाहनों पर रोक लगाने की मांग को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कस्बा एट में बाजार क्षेत्र से गुजर रहे ओवरलोड वाहनों पर रोक लगाने की मांग को लेकर शीलू गौतम पूर्व जिला पंचायत सदस्य के नेतृत्व में दर्जनभर लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि कस्बा एट के मुख्य बाजार मार्ग से ओवरलोड वाहनों का आवागमन बंद कराया जाए, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सके तथा आम लोगों को होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके। लोगों का कहना है कि भारी और ओवरलोड वाहन बाजार क्षेत्र से गुजरने के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और राहगीरों व दुकानदारों की सुरक्षा पर भी खतरा बना रहता है।

इस दौरान विनय कुमार पाल (भाजपा अध्यक्ष), शीलू गौतम (पूर्व जिला पंचायत सदस्य), शिवप्रताप तोमर (प्रधान), ऋषभ पटैरिया, अनिल कुमार समेत कई लोग मौजूद रहे। ज्ञापन सौंपकर प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई किए जाने की मांग की गई।

नकलविहीन एवं शांतिपूर्ण वातावरण में टीजीटी लिखित परीक्षा सकुशल संपन्न

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) लिखित परीक्षा जनपद में शांतिपूर्ण, नकलविहीन एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा केंद्र व्यवस्थापकों एवं अधिकारियों को परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के निर्देश दिए। जनपद में परीक्षा हेतु कुल 7 केंद्र निर्धारित किए गए थे, जिनमें से 6 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित हुई। परीक्षा दो पालियों में संपन्न कराई गई, जिसमें सुरक्षा एवं निगरानी के व्यापक प्रबंध किए गए थे। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई। प्रथम पाली में कुल 2,127 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 1,024 अभ्यर्थी उपस्थित एवं 1,103 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में कुल 2,170 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 1,040 अभ्यर्थी उपस्थित तथा 1,130 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। केंद्रवार उपस्थिति में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज उरई में प्रथम पाली में 225 एवं द्वितीय पाली में 255 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। डी.ए.वी. इंटर कॉलेज में दोनों पालियों में 188-188 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। राजकीय इंटर कॉलेज उरई में प्रथम पाली में 177 तथा द्वितीय पाली में 192 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। आर्य कन्या इंटर कॉलेज में प्रथम पाली में 195 तथा द्वितीय पाली में 208 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। सनातन धर्म इंटर कॉलेज में प्रथम पाली में 185 तथा द्वितीय पाली में 153 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। श्री गांधी इंटर कॉलेज में प्रथम पाली में 54 एवं द्वितीय पाली में 44 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी केंद्रों पर आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप परीक्षा पूर्णत: शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। वहीं पुलिस अधीक्षक ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनुचित गतिविधि की सूचना प्राप्त नहीं हुई। जनपद प्रशासन, शिक्षा विभाग एवं पुलिस विभाग के समन्वित प्रयासों से टीजीटी परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

खेल प्रतिभाओं को मिलेगा मंच, प्रत्येक क्षेत्र में खेल मैदान विकसित करने की तैयारी

15 दिनों में भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव भेजने के जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने जनपद में खेल सुविधाओं के विस्तार एवं युवाओं को बेहतर खेल वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए समस्त उप जिलाधिकारियों एवं अधिशासी अधिकारियों को अपने-अपने विकास क्षेत्रों में खेल मैदान हेतु उपयुक्त भूमि चिन्हित कर 15 दिवस के भीतर प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि खेल मैदानों की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए जनपद के प्रत्येक क्षेत्र में खेल अवसंरचना विकसित किए जाने की कार्यवाही प्राथमिकता पर की जाएगी, ताकि नवयुवकों एवं खिलाड़ियों को अभ्यास एवं प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने विशेष रूप से उप जिलाधिकारी जालौन को इस कार्य में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि नगर क्षेत्र में भूमि चिन्हित की जाती है तो संबंधित नगरपालिका, नगर निकाय का प्रस्ताव, खसरा-खतौनी, भू-नक्शा तथा उप जिलाधिकारी की संस्तुति सहित उपलब्ध कराया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में भूमि चिन्हित होने की स्थिति में भूमि प्रबंधक समिति का प्रस्ताव, उपयुक्तता प्रमाण पत्र तथा संबंधित उप जिलाधिकारी की संस्तुति सहित प्रस्ताव 15 दिवस के भीतर उपलब्ध कराया जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि खेल मैदानों की मांग लंबे समय से जनमानस एवं युवाओं द्वारा उठाई जा रही है। जिला प्रशासन इस मांग को गंभीरता से लेते हुए जनहित में आवश्यक कार्यवाही करेगा, जिससे जनपद के युवाओं को खेल प्रतिभा निखारने के लिए पर्याप्त अवसर और आवश्यक संसाधन उपलब्ध हो सकें। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि चिन्हांकन एवं प्रस्ताव प्रेषण की कार्यवाही समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण की जाए।

दो दिन पूर्व आटा थाना क्षेत्र से हुआ था युवक का अपहरण-एसपी विनय कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में एएसपी ईशान सोनी के निकट पर्यवेक्षण के फलस्वरूप दो दिन में अपहरित सकुशल बरामद

भगोड़े आरोपियों की तलाश में जुटी है पुलिस

- सूचना मिलते ही एसपी एवम एएसपी की जोड़ी ने पुलिस फ़ोर्स की अलग अलग टुकड़ियां बनाकर अपहृतों का सटीक पीछा करवा कर अपहरित को न सिर्फ बरामद किया बल्कि 5 आरोपियों को भी कार और बाइक सहित दबोच लिया
- पुलिस की त्वरित और सफल कार्यवाही से लोगो मे हर्ष

(यंग भारत न्यूज)

उरई । जालौन पुलिस ने आटा थाना क्षेत्र में हुए अपहरण कांड का महज दो दिनों के भीतर सफल खुलासा करते हुए अपहृत युवक रोहित को सकुशल बरामद कर लिया। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अपहरण में प्रयुक्त कार और मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने बताया कि 2 जून को आटा थाना क्षेत्र की एक महिला ने अपने पति रोहित के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह के निर्देशन में तीन विशेष टीमों का गठन किया गया।

पुलिस टीमों ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से जांच को आगे बढ़ाया। जांच के दौरान अपहृत युवक और आरोपियों की लोकेशन दिल्ली तथा गाजियाबाद में मिली, जिसके बाद पुलिस टीमों को वहां रवाना किया गया। दिल्ली पुलिस के सहयोग से रोहित को सकुशल बरामद कर लिया गया। पूछताछ में सामने आया कि रोहित और आरोपियों के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते आरोपियों ने 2 जून को उसे कुसमरा रोड से जबरन कार में बैठाकर अपहरण कर लिया था।

पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी अजय और शंकर समेत सुनील, रिजवान तथा दीपक को गिरफ्तार किया है। वहीं रविंद्र और गुल्लू सहित अन्य फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने सफल कार्रवाई के लिए पुलिस टीमों की सराहना करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

'बेटियां बनेंगी आत्मनिर्भर तो बदलेगा समाज का भविष्य'

-तहसील सभागार में छात्राओं से संवाद, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट (आई ए एस) रिंकू सिंह रही ने दिए सफलता के मंत्र

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। तहसील सभागार में छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य और शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रेरणादायक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं एसडीएम रिंकू सिंह राही ने की, जबकि शिक्षाविद् डॉ. नितिन मित्तल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संवाद के दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह राही ने कहा कि आज की बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। उन्होंने छात्राओं को शिक्षा का महत्व बताते हुए कहा कि जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अनुशासन, समय प्रबंधन और निरंतर मेहनत आवश्यक है। उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर भी उपयोगी सुझाव दिए। कार्यक्रम में छात्राओं ने करियर, प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा से जुड़े सवाल पूछे, जिनका ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने सहज और आत्मीय अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और अपनी झिझक छोड़कर बड़े सपने देखने की प्रेरणा दी। रिंकू सिंह राही ने कहा कि तहसील क्षेत्र के गांवों में वाचनालय और खेल मैदान विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही नगर में अभ्युदय कोचिंग प्रारंभ कराने की दिशा में भी पहल की जाएगी, ताकि ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की मेधावी छात्राओं को बेहतर अवसर मिल सकें। शिक्षाविद् डॉ. नितिन मित्तल ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति उसकी बेटियों की शिक्षा और आत्मनिर्भरता से तय होती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी या अन्य कोई बाधा किसी प्रतिभाशाली छात्रा के सपनों के आड़े नहीं आनी चाहिए। शिक्षा से जुड़ी किसी भी समस्या के समाधान के लिए वह सदैव छात्राओं के साथ खड़े रहेंगे। कार्यक्रम में प्रियंका, जानवी, सौम्या, प्रगति, काव्या सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

मेडिकल कॉलेज को मिली डीएनबी की चार सीटें, बढ़ेगा विशेषज्ञ चिकित्सा शिक्षा का दायरा

-बायोकेमिस्ट्री और इमरजेंसी मेडिसिन विभाग में 2-2 सीटों को मिली स्वीकृति

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन। राजकीय मेडिकल कॉलेज जालौन को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। कॉलेज के बायोकेमिस्ट्री एवं इमरजेंसी मेडिसिन विभाग में डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड) पाठ्यक्रम की दो-दो सीटों को स्वीकृति मिल गई है।

प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह ने बताया कि इन दोनों विभागों में डीएनबी पाठ्यक्रम शुरू होने से जनपद के मरीजों को सीधे लाभ मिलेगा। विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या बढ़ने से बेहतर उपचार और परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही मेडिकल कॉलेज में उच्च चिकित्सा शिक्षा के अवसरों का भी विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि डीएनबी सीटों की स्वीकृति कॉलेज की शैक्षणिक गुणवत्ता और प्रतिष्ठा को नई पहचान देगी। विशेष रूप से इमरजेंसी मेडिसिन विभाग में विशेषज्ञ चिकित्सकों का प्रशिक्षण होने से आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बन सकेंगी। प्राचार्य ने बताया कि मेडिकल कॉलेज लगातार चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में कार्य कर रहा है। यह उपलब्धि उसी प्रयास का परिणाम है और इससे भविष्य में कॉलेज में और अधिक शैक्षणिक अवसर विकसित होंगे। महाविद्यालय प्रशासन ने इस सफलता पर सभी शिक्षकों, चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज को चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

उरई जिला अस्पताल को मिलीं नई नेत्र सर्जन, डॉ. सुची वर्मा संभालेंगी कमान

-KGMU की पास-आउट हैं डॉ. सुची, स्थानांतरण सूची में पहले स्थान पर नाम

-स्थानीय स्तर पर मिलेगा मोतियाबिंद व कालापानी का आधुनिक इलाज, नहीं भागना होगा बड़े शहर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए शासन ने बड़ा कदम उठाया है। उत्तर प्रदेश शासन के चिकित्सा अनुभाग-3 द्वारा जारी नवीनतम तबादला सूची के तहत प्रदेश की प्रतिष्ठित युवा नेत्र सर्जन डॉ. सुची वर्मा को उरई जिला अस्पताल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूची में उनका नाम पहले पायदान पर है और वे जल्द ही यहाँ कार्यभार संभालेंगी। डॉ. सुची वर्मा की शैक्षणिक पृष्ठभूमि बेहद शानदार रही है। उन्होंने मेरठ मेडिकल कॉलेज से MBBS और देश के नामचीन किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ से MS (ऑप्थैल्मोलॉजी) की डिग्री हासिल की है। इससे पहले वे जिला अस्पताल, बांदा में तैनात थीं, जहाँ उन्होंने सैकड़ों सफल ऑपरेशन कर मरीजों को नई रोशनी दी। डॉ. सुची इससे पहले राजकीय मेडिकल कॉलेज, उरई में भी अपनी सेवाएं दे चुकी हैं, जहाँ जटिल सर्जरीज के लिए उनकी काफी सराहना हुई थी। उनकी इस तैनाती से जालौन और आसपास के क्षेत्र के मरीजों को मोतियाबिंद, कालापानी व आंखों की अन्य गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अब बड़े शहरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी विभाग में बना पीआरओ कक्ष, मरीजों को मिलेगी तत्काल सहायता

जनसंपर्क मित्र करेंगे मरीजों और तीमारदारों की मदद, संवेदनशील व्यवहार के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन। मेडिकल कॉलेज उमें मरीजों की सुविधा और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आकस्मिक (इमरजेंसी) विभाग में पीआरओ (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर) कक्ष की स्थापना की गई है। यह पहल प्रधानाचार्य डॉ. महेंद्र सिंह के निर्देशन में की गई।

मेडिकल कॉलेज प्रशासन के अनुसार पीआरओ कक्ष में रोस्टर के अनुसार जनसंपर्क मित्रों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। मरीजों अथवा उनके तीमारदारों को किसी प्रकार की समस्या होने पर जनसंपर्क मित्र समन्वय स्थापित कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएंगे। प्रधानाचार्य डॉ. महेंद्र सिंह ने सभी चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि मरीजों और उनके परिजनों के साथ संवेदनशील एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा कि बेहतर चिकित्सा सेवाओं के साथ मानवीय व्यवहार भी स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पीआरओ कक्ष की स्थापना के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष कुमार वर्मा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रशांत निरंजन, आकस्मिक विभाग के प्रभारी डॉ. शैलेष कुमार वर्मा, डॉ. हर्ष पटेल तथा डॉ. जितेंद्र मिश्रा मौजूद रहे।

कदौरा कस्बे में भी चल गया बुलडोजर

अतिक्रमण की खैर नही -जिला प्रशासन

(यंग भारत न्यूज)

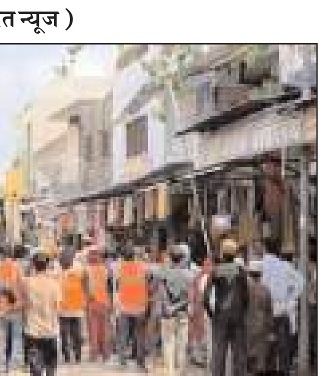

उरई। नगर पंचायत की भूमि और सार्वजनिक मार्गों पर वर्षों से किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ गुरुवार को प्रशासन ने सख्त अभियान चलाया। एसडीएम कालपी के नेतृत्व में राजस्व विभाग, नगर पंचायत और पुलिस की संयुक्त टीम ने कदौरा कस्बे में बुलडोजर चलाकर सड़क किनारे बने अवैध चबूतरे, टीनशेड और अन्य अस्थायी निर्माण ध्वस्त कर दिए।

अचानक शुरू हुई इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया। प्रशासनिक टीम सुबह ही बाजार क्षेत्र पहुंची, जहां लंबे समय से सार्वजनिक भूमि पर कब्जे की शिकायतें मिल रही थीं। अभियान के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा, जिससे कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होने दी गई। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने प्रशासन की कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि अवैध अतिक्रमण के कारण सड़कें संकरी हो गई थीं, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बनती थी और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। अतिक्रमण हटने से बाजार क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुगम होने की उम्मीद जताई जा रही है। एसडीएम ने बताया कि अवैध कब्जाधारकों को पूर्व में नोटिस जारी कर स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन आदेशों की अनदेखी किए जाने पर प्रशासन को यह कदम उठाना पड़ा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर पंचायत और सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अतिक्रमण विरोधी अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और सरकारी भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर खुलेआम जूझ रहे हैं शराबी, लाठी डंडे चलने से नागरिक भयभीत

पुलिस से जिला मुख्यालय पर इकबाल बुलंद करने3 की मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई। शहर के उरई कोतवाली क्षेत्र स्थित रामनगर-अजनारी रोड पर शराब के ठेके के पास शराबियों के बीच हुई जमकर मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे क्षेत्र में दहशत और कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। वायरल वीडियो में कुछ युवक लाठी-डंडों से एक व्यक्ति की पिटाई करते दिखाई दे रहे हैं। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोग भय के कारण बीच-बचाव करने का साहस नहीं जुटा सके। बताया जा रहा है कि घटना स्थल के निकट मंदिर, कोचिंग संस्थान तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यालय भी स्थित है। इसके बावजूद क्षेत्र में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बना रहता है, जिससे स्थानीय नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि शराब के नशे में आए दिन गाली-गलौज और झगड़े होते रहते हैं, जिससे माहौल लगातार खराब हो रहा है। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया है कि घटनास्थल डिप्टीगंज पुलिस चौकी और सीओ आवास के काफी नजदीक होने के बावजूद ऐसी घटनाएं लगातार क्यों हो रही हैं। लोगों ने वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही क्षेत्रवासियों ने आबादी के बीच संचालित शराब के ठेके को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग भी उठाई है। उनका कहना है कि इससे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

महिला के साथ उत्पीड़न तथा अश्लील छेड़छाड़ के मुकदमे में आरोपी को 3 वर्ष का कारावास

(यंग भारत न्यूज)

उरई । पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान के अंतर्गत मॉनिटरिंग सेल एवं थाना आटा पुलिस की प्रभावी पैरवी से एक महत्वपूर्ण मामले में न्यायालय द्वारा आरोपी को सजा सुनाई गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना आटा क्षेत्र के ग्राम बाहोरी कला निवासी भुवन यादव उर्फ धर्म सिंह के विरुद्ध महिला के साथ छेड़छाड़, विरोध करने पर मारपीट तथा जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की विवेचना के बाद पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय में प्रभावी पैरवी की। मामले की सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 03 वर्ष के कारावास तथा 4,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। पुलिस विभाग ने बताया कि अपराधियों को दंडित कराने के लिए ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत लगातार प्रभावी पैरवी की जा रही है, जिससे पीड़ितों को न्याय मिल सके और अपराधियों में कानून का भय बना रहे। पुलिस की इस कार्रवाई को न्यायिक प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

यूपी के 18 शहरों में दौड़ेंगी 1725 एयर कंडीशन ई-बसें, प्रति बस 35-40 लाख रुपये अनुदान देगी योगी सरकार

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में 18 प्रमुख शहरों में ग्रास कास्ट कान्ट्रैक्ट (जीसीसी) माडल पर 1725 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई।

निजी क्षेत्र की भागीदारी से लागू होने वाली इस योजना से सरकारी खर्च का बोझ घटेगा, जबकि शहरों में यात्रियों को बेहतर, समयबद्ध और तकनीक आधारित परिवहन सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री आवास में हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 25 प्रस्ताव रखे गए इसमें से 24 प्रस्ताव स्वीकृत हो गए। कैबिनेट निर्णयों की जानकारी देते हुए नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने बताया कि 17 नगर निगम वाले शहरों के अलावा नोएडा शहर में भी यह बसें चलाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि नगर विकास विभाग के अंतर्गत स्थापित नगरीय परिवहन निदेशालय प्रदेश में सिटी बस सेवाओं के संचालन और निगरानी का कार्य कर रहा है। वर्तमान में प्रदेश के 15 नगर निगम क्षेत्रों में 743 इलेक्ट्रिक बसें संचालित हैं, जिनमें से 700 बसें पहले से ही जीसीसी माडल पर चल रही हैं। सरकार ने अब इस व्यवस्था का विस्तार करते हुए आगरा, अलीगढ़, अयोध्या, बरेली, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मथुरा-वृंदावन, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, शाहजहांपुर, सहारनपुर, वाराणसी और नोएडा (जेवर सहित) में कुल 1725 एसी इलेक्ट्रिक बसें संचालित करने का निर्णय किया है। योजना के तहत नौ मीटर और 12 मीटर लंबाई की बसें विभिन्न रूटों पर चलाई जाएंगी। इन बसों का संचालन वाणिज्यिक सेवा शुरू होने की तिथि से 12 वर्षों तक किया जाएगा। जीसीसी मॉडल के तहत बसों की खरीद, चार्जिंग स्टेशन और चार्जर की व्यवस्था, चालक एवं तकनीकी स्टाफ की नियुक्ति, बसों का संचालन तथा रखरखाव पूरी तरह निजी आपरेटर की जिम्मेदारी होगी।

इसके बदले सरकार तय प्रदर्शन मानकों के आधार पर आपरेटर को संचालन एवं रखरखाव शुल्क का भुगतान करेगी। निजी कंपनियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने 12 मीटर की इलेक्ट्रिक बस पर 40 लाख रुपये और नौ मीटर की बस पर 35 लाख रुपये प्रति बस अनुदान देने का निर्णय लिया है। वहीं बस डिपो निर्माण के लिए आवश्यक भूमि संबंधित नगर निगमों और नोएडा प्राधिकरण द्वारा निश्शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि बस किराया और अन्य शुल्क का निर्धारण प्रदेश सरकार ही करेगी। आपरेटर को जो घाटा होगा उसकी भरपाई सरकार करेगी। योजना के जरिए निजी निवेश आकर्षित होगा, सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आएगा और प्रतिस्पर्धा के कारण आधुनिक तकनीकों का तेजी से इस्तेमाल बढ़ेगा। निजी आपरेटरों का चयन पारदर्शी निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा, जिससे यात्रियों को बेहतर और विश्वसनीय शहरी परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

कहां कितने चलेंगी ई-बसें ?

आगरा- 100
मथुरा-वृंदावन- 50
अलीगढ़- 25
फिरोजाबाद- 25
गाजियाबाद- 100
मेरठ- 100
शाहजहांपुर- 25
बरेली- 25
मुरादाबाद- 25
सहारनपुर- 25
नोएडा- 100
वाराणसी- 250
अयोध्या- 50
लखनऊ- 300
गोरखपुर- 150
कानपुर- 300
प्रयागराज- 50
झांसी- 25

यूपी में सिपाही भर्ती परीक्षा में सॉल्वर बने तो हो जाएंगे कंगाल! बोर्ड ने चेताया- संपत्ति की जाएगी कुर्क

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। आरक्षी परीक्षा को लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने चेतावनी दी है कि अगर परीक्षा में किसी साल्वर को पकड़ा जाता है तो उसकी संपत्ति जब्त की जा सकती है। भर्ती बोर्ड के अपर सचिव सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज ने बताया कि बोर्ड के संज्ञान में आया है कि कुछ लोग आगामी परीक्षा को लेकर प्रश्न पत्रों और उसके कंटेट पर चर्चा कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम-2024 के प्रविधानों के तहत इस प्रकार की गतिविधियां प्रतिबंधित हैं। साल्वर के पकड़े जाने पर पहली बार में अधिकतम सात वर्ष की सजा और 10 लाख रुपये का जुर्माना और दूसरी बार पकड़े जाने पर आजीवन कारावास और 50 लाख से एक करोड़ रुपये ताक जुर्माने का प्रविधान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस जिले से साल्वर के पकड़े जाने की सूचना मिलेगी वहां के विवेचक संबंधित जिलाधिकारी को आरोपित की जानकारी देगा, जिससे उसकी संपत्ति को जब्त किया जा सके।

राशन के दुकानदार की सप्लाई रोकी गई, 41 लाभार्थियों के बयान पर हुई कार्रवाई

(यंग भारत न्यूज)

कोंच प्रशासन द्वारा राशन वितरण में अनियमितताओं के संबंध में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम बरोदा कलां स्थित एक उचित दर विक्रेता की दुकान की आपूर्ति तत्काल प्रभाव से बाधित कर दी गई है। जांच में कुल 41 राशन कार्ड धारकों के शपथपत्र/बयान लिए गए। सभी ने बताया कि ई-पॉस मशीन से आधार प्रमाणीकरण के बाद भी उन्हें निर्धारित मात्रा से कम खाद्यान्न दिया जा रहा था। साथ ही विक्रेता द्वारा अभद्र व्यवहार की शिकायत भी उपभोक्ताओ द्वारा की गई। ग्राम बरौदा कलां निवासी जगजीवन पुत्र हरनारायण की पत्नी के नाम जारी राशनकार्ड संख्या 216540615256 पर दिनांक 31 मई को कम तौल की शिकायत हुई थी। लाभार्थी द्वारा वीडियो बनाने पर विक्रेता के नाती अंकित द्वारा मोबाइल छीनकर तोड़ दिया गया और अंगूठा लगने के बाद भी खाद्यान्न नहीं दिया गया। जांच के दौरान भौतिक सत्यापन में बड़ी विसंगति मिली। प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए उचित दर विक्रेता की दुकान की खाद्यान्न आपूर्ति तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी गई है। दुकान से संबद्ध समस्त राशन कार्ड धारकों को असुविधा न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है शिवाकांत उचित दर विक्रेता ग्राम पंचायत-चमेड़ की दुकान से अब राशन वितरण होगा। संबंधित विक्रेता मंशाराम ग्राम-बरौदा कलां को 15 दिन के भीतर समस्त साक्ष्यों सहित लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

संतोषजनक उत्तर न मिलने पर नियमानुसार दुकान के निलंबन/निरस्तीकरण की अग्रिम विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गरीबों के राशन में किसी भी प्रकार की हेराफेरी या बदसलूकी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायत मिलने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित है।

बाइक चोर गिरोह को पुलिस ने 3 बाइको संग दबोचा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन - उरई । कोतवाली पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन शातिर बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिलें, एक तमंचा और दो कारतूस बरामद किए हैं। गिरोह का सरगना पुलिस को चकमा देकर मौके से भाग निकला, जिसकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

बुधवार देर रात कोतवाल हरिशंकर चंद को सूचना मिली कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के धनौरा-धंतौली मार्ग स्थित पुल के पास से कुछ संदिग्ध व्यक्ति चोरी की बाइक बेचने के लिए ले जा रहे हैं। रात करीब साढ़े बारह बजे चौकी प्रभारी मनीष कुमार तिवारी और उनकी टीम ने घेराबंदी कर वहां से बाइक लेकर जा रहे चुर्खी थाना क्षेत्र के ग्राम चुर्खी निवासी इमाम हुसैन उर्फ इमाम मंसूरी, जितेंद्र पाल और रामतोष पांचाल को रोककर जब बाइक के कागजात मागे तो वह नहीं दिखा सके। जबकि गिरोह का सरगना छोटेलाल उर्फ लादेन अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन चोरी की मोटरसाइकिलें, एक तमंचा और दो कारतूस बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे चारों मिलकर विभिन्न जनपदों और कस्बों से बाइक चोरी करते थे। चोरी के बाद वाहनों की मूल नंबर प्लेट तोड़कर उन पर फर्जी नंबर प्लेट लगा देते थे और फिर उन्हें बाहर ले जाकर बेच देते थे। आरोपियों ने बताया कि बरामद हीरो एचएफ डीलक्स बाइक को उन्होंने गत पांच मई को जालौन स्थित गंगाधाम गेस्ट हाउस के बाहर से चोरी किया था। वहीं दूसरी बाइक उरई के सोम गार्डन और तीसरी बाइक झांसी के एक विवाह घर के बाहर से चोरी की थी। जिन्हें वह बेचने के लिए ले जा रहे थे। तभी रास्ते में पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। बताया कि उनका सरगना छोटेलाल उर्फ लादेन भी साथ था जो पुलिस को देखकर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। पुलिस अब फरार आरोपी छोटेलाल उर्फ लादेन की तलाश में जुटी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक हरिशंकर चंद ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया गया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि गिरोह ने क्षेत्र में और कितनी वाहन चोरियों की घटनाओं को अंजाम दिया है।

बिना बिजली वाला एसी पूरे घर को मिनटों में करेगा ठंडा, जानें क्या है ये नई टेक्नोलॉजी

(यंग भारत न्यूज)

आपने बिना बिजली के चलने वाले ष्ट के बारे में सुना है ? जी हां, वैज्ञानिकों ने एक ऐसा एसी बना लिया है, जिसे चलाने के लिए बिजली की जरूरत नहीं होती है। यह विज्ञान के सिद्धांत पर काम करता है।

साइंटिस्ट का दावा है कि यह एसी महज 20 मिनट में कमरे का तापमान 20 से 22 डिग्री सेल्सियस तक कम कर सकता है। इसका मतलब है कि अगर आप अपने घर पर यह एसी लगा लेंगे तो 45 डिग्री की चिलचिलाती गर्मी में भी कमरा पूरी तरह ठंडा हो जाएगा। साइंटिस्ट्स ने इस बिना बिजली से चलने वाले एसी को NESCOD यानी नो इलेक्ट्रिसिटी एंड सस्टेनेबल कूलिंग ऑन डिमांड रखा है। इस एसी की टेक्नोलॉजी के बारे में साउदी अरब के साइंटिस्ट्स ने रॉयल सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्री के एक जर्नल में पब्लिश किया है। लैब टेस्ट के मुताबिक, बिना बिजली वाला यह एसी 191 वॉट प्रति स्क्वायर मीटर की क्षमता से कमरे को ठंडा कर सकता है। इस एसी में 3D सोलर रीजेनरेटर लगा है, जो धूप, पानी और अमोनियम नाइट्रेट के घोल को भाप में लगातार बदलता रहता है। इस तरह से यह एसी पूरे दिन भर कमरे को लगातार ठंडा कर सकता है। यह एसी कूलिंग साइकिल पर काम करता है, जो एंडोथर्मिक रिएक्शन क्रिएट करके वातावरण को ठंडा करता है। आसान भाषा में कहा जाए तो जब अमोनियम

नाइट्रेट को पानी में घोला जाता है तो एंडोथर्मिक रिएक्शन होता है, जो वातावरण में मौजूद गर्म हवा को तेजी से ठंडा करता है। साइंस के इस सिद्धांत पर काम करने वाले एसी को चलाने के लिए किसी भी इलेक्ट्रिसिटी का इस्तेमाल नहीं होता है। बस अमोनियम नाइट्रेट और पानी की जरूरत होती है। रिसर्च के मुताबिक, यह एसी 20 मिनट के अंदर कमरे का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से गिराकर 3.2 डिग्री तक कर देता है। यह एसी लगातार काम करता रहे इसके लिए वैज्ञानिकों ने 3ष्ठ सोलर रीजेनरेटर का इस्तेमाल किया है, जो लगातार अमोनियम नाइट्रेट और पानी के घोल को गर्म करके भाप बनाता है, जिससे अमोनियम नाइट्रेट फिर से मिल जाता है। यह प्रक्रिया पूरे दिन भर लगातार चलता है। पानी और अमोनियम नाइट्रेट कमरे को ठंडा करता है और फिर पानी भाप बनकर उड़ जाता है और बचा हुआ ठोस अमोनियम नाइट्रेट फिर से पानी में घोलकर कमरा को ठंडा करने के लिए उपलब्ध रहेगा। एसी, फ्रिज आदि चलाने के लिए भारी मात्रा में बिजली की जरूरत होती है। पिछले दिनों आई रिपोर्ट्स की मानें तो जिस तरह से एसी की डिमांड है, आने वाले समय में DIS-COM को ज्यादा से ज्यादा बिजली पैदा करना पड़ेगा। NESCOD पर बेस्ड यह एसी भविष्य की बिजली खपत को काफी कम कर देगा। बिजली का इस्तेमाल अन्य कामों के लिए किया जा सकेगा।

वाराणसी में बॉयफ्रेंड मोहित से प्रेग्नेंट होना चाहती थी शादीशुदा अनुपमा! पर इस औरत के साथ बहुत' बुरा हो गया,.

(यंग भारत न्यूज)

वाराणसी। क्राइम से जुड़ी घटनाएं और किस्से कहानियां आपने खूब सुनी होंगी. लेकिन वाराणसी से सामने आई ये घटना अपराध की दुनिया में शायद ही पहले कभी सुनी गई होगी. ये कहानी है अनुपमा पटेल, मोहित यादव और उसकी पत्नी अंजली की.

अनुपमा पटेल एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता थीं. शादीशुदा अनुपमा शायद शारदा बिहार कालोनी में अकेले रहती थीं. उनके जीवन में सिर्फ एक चीज की कमी थी वो था बच्चा. इस बीच अनुपमा की मुलाकात मोहित यादव से हुई. धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदिकियां बढ़ने लगीं और उनके बीच शारिरिक संबंध भी बने. अनुपमा मोहित के साथ प्रेग्नेंट होना चाहती थी. लेकिन मोहित को यह मंजूर नहीं था. आरोप है कि अनुपमा अपने प्रेमी मोहित पर बच्चे को लेकर दबाव बनाने लगी थी. इससे परेशान होकर मोहित ने अपनी पत्नी अंजलि को पूरी सच्चाई बताई जिसके बाद दोनों ने मिलकर अनुपमा को मार डाला. अनुपमा पटेल उर्फ सीता लक्ष्मणपुर के शारदा विहार कॉलोनी में रहती थीं और घर से ही पैकेट का दूध बेचने का काम करती थीं. वहीं मोहित भी इसी कॉलोनी में किराए के मकान में रहता था. मोहित अक्सर अनुपमा की दुकान से दूध ले जाने आया करता था.इस दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई. धीरे-धीरे दोनों के बीच संबंध भी बनने लगें. अनुपमा का बच्चा नहीं था. ऐसे में वह मोहित से एक बच्चा चाहती थी. आरोप है कि इसे लेकर वह मोहित के ऊपर अनैतिक संबंध बनाने का दबाव बनाने लगी थी. वहीं मोहित के मना करने पर वह उसे पुलिस से शिकायत कर फंसाने की धमकी भी देती थी. इस बीच मोहित की शादी अंजली के साथ हो गई. लेकिन उससे शादी के बाद भी वह उसपर शारिरिक संबंध बनाने के दबाव बनाती थी. इससे परेशान होकर मोहित ने पूरी बात अपनी पत्नी अंजलि को बताई. दोनों ने मिलकर अनुपमा को रास्ते से हटाने की खौफनाक साजिश रच डाली. साजिश के तहत मोहित और अंजलि चौहान पहले पाण्डेयपुर के मिश्रा होम स्टे में रुके. 11 दिसंबर की सुबह वे अनुपमा के घर के लिए निकले. लेकिन अंजली अनुपमा के घर से कुछ दूर रुक गई. जबकि मोहित यादव घर के पीछे के रास्ते से अंदर घुस गया. उसने घर में रखे किसी सामान पत्थर का सिल और स्टील के ड्रम से अनुपमा के सिर, चेहरे और गर्दन पर हमलाकर हत्या कर दी. हत्या के बाद दोनों ने मिलकर लूट की घटना को अंजाम दिया. वे मृतका के शरीर से सोने के आभूषण, एक मोबाइल फोन और नकदी लेकर भाग गए. वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों पति-पत्नी अपने खून लगे कपड़े और लूटे गए सामान के साथ मिश्रा होम स्टे वापस पहुंचे और वहां से भाग निकले. एडीसीपी वरुणा जोन नीतू कात्यान ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और मात्र 24 घंटे के भीतर ही आरोपी पति-पत्नी मोहित यादव और अंजलि चौहान को गिरफ्तार कर लिया गया.पुलिस ने आरोपियों के पास से हत्या के वक्त पहने हुए खून से सने कपड़े, लूटे गए सोने के आभूषण, मोबाइल फोन और 73,640 नकद बरामद किए हैं. इस सनसनीखेज हत्याकांड को सुलझाने वाली पुलिस टीम के लिए 50000 की इनाम राशि देने का भी फैसला किया गया है.

दुनिया की सबसे बड़ी गोल्ड रिफाइनरी, भारतीय कंपनी है मालिक; 15 लाख करोड़ की हेराफेरी से हड़कंप, सेबी का बड़ा एक्शन

(यंग भारत न्यूज)

दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी गोल्ड रिफाइनरी कंपनी की मालिक भारतीय कंपनी राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। खबर है कि कंपनी ने 15 लाख करोड़ रुपये के रेवेन्यू के साथ मिसमैनेजमेंट किया है।

सीधे तौर पर कहें तो कंपनी ने 1500 करोड़ रुपये की हेराफेरी की। कंपनी पर वित्तीय आंकड़ों में कथित हेरफेर, फंड के गलत इस्तेमाल और निवेशकों को भ्रामक जानकारी देने जैसे आरोप लगे हैं। मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (आरईएल) और उसके चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, राजेश मेहता के खिलाफ एक अंतरिम एकतरफा आदेश पारित किया है। यह आदेश एक चल रही जांच के दौरान वित्तीय गलतबयानी, फंड-रूटिंग में अनियमितताओं और सहयोग न करने के शुरुआती निष्कर्षों के आधार पर दिया गया है। सेबी ने अंतरिम आदेश में आरोप लगाया है कि राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड ने लगभग 15.15 लाख करोड़ रुपये के कुल रेवेन्यू के बारे में गलत जानकारी दी, जो कुल राजस्व का 99.80 प्रतिशत है। आपको बता दें कि राजेश एक्सपोर्ट्स का नाम दुनिया की सबसे बड़ी गोल्ड रिफाइनरियों में शामिल वैलकैम्बी के कारण काफी चर्चित रहा है। स्विट्जरलैंड स्थित इस रिफाइनरी का अधिग्रहण कंपनी ने वर्ष 2015 में लगभग 400 मिलियन डॉलर में किया था। लेकिन अब कंपनी के वित्तीय रिकॉर्ड को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। 109 पन्नों के आदेश में सेबी ने कहा है कि कंपनी ने कई वर्षों तक गैर-प्रामाणिक लेनदेन दर्ज किए, खातों के समेकन में गलत तरीके अपनाए और संबंधित पक्षों से जुड़े लेनदेन की पर्याप्त जानकारी सार्वजनिक नहीं की। जांच में यह भी सामने आया कि कंपनी के कुछ फंड कथित तौर पर राजेश मेहता और सिद्धार्थ मेहता के व्यक्तिगत बैंक खातों के माध्यम से भेजे गए, जबकि इसके लिए आवश्यक मंजूरी और खुलासा नहीं किया गया। सेबी ने यह भी आरोप लगाया है कि कंपनी ने हजारों करोड़ रुपये के कुछ डेरिवेटिव सौदों को अपने कारोबार की आय के रूप में दर्ज किया। इसके अलावा विदेशी मुद्रा उतार-चढ़ाव और निवेश से मिलने वाली ब्याज आय को भी परिचालन आय के रूप में दिखाया गया। इससे कंपनी के कारोबार का आकार वास्तविकता से कहींबड़ा नजर आया। जांच के दौरान कंपनी द्वारा अफ्रीका में सोने की खदानों में निवेश का दावा भी किया गया था। हालांकि सेबी को उपलब्ध दस्तावेजों में इस दावे की पुष्टि नहीं मिली। नियामक ने इस दावे पर भी सवाल उठाए हैं। सेबी ने आरोप लगाया कि जांच के दौरान कंपनी ने कई जरूरी जानकारियां उपलब्ध नहीं कराईं और अलग-अलग समय पर विरोधाभासी जवाब दिए। इसे जांच में सहयोग न करने की श्रेणी में माना गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सेबी ने कंपनी के वैधानिक ऑडिटरों की भूमिका की भी जांच की सिफारिश की है और इस संबंध में मामला नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी (एनएफआरए) को भेजा गया है। साथ ही राजेश मेहता को अगले आदेश तक कंपनी के शेयरों में खरीद-बिक्री करने से रोक दिया गया है और नए फोरेंसिक ऑडिट का आदेश दिया गया है।

फीफा विश्व कप : भारतीय मूल के चार खिलाड़ी दिखाएंगे जलवा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत के लिए फीफा विश्व कप में खेलना अब भी दूर की कौड़ी बनी हुई है लेकिन अमेरिका में 11 जून से शुरू होने वाले फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में भारतीय मूल के चार खिलाड़ी अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। वह चार खिलाड़ी सरप्रीत सिंह, सैमुअल मौतौसामी, निशान वेलुपिल्लै और तहसीन मोहम्मद हैं, जो फ्रांस के मिडफील्डर विकास धोरासू के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। धोरासू जर्मनी में 2006 के विश्व कप में खेले थे। धोरासू के पूर्वज आंध्र प्रदेश के विजयनगरम की रहने वाले थे। इस सूची में शामिल होने वाले चार अन्य खिलाड़ियों पर एक नजर।

सरप्रीत सिंह (न्यूजीलैंड)

ऑकलैंड में पंजाबी माता-पिता के घर जन्मे सरप्रीत 2018 में मुंबई में आयोजित इंटरकॉन्टिनेंटल कप के दौरान भारत में भी खेले थे। उन्होंने उसी वर्ष न्यूजीलैंड के लिए पदार्पण किया था। भारत ने वह खिताब जीता जबकि न्यूजीलैंड चार देशों के इस टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहा। इसके एक साल बाद सरप्रीत जर्मनी की पहली डिवीजन लीग में खेलने वाले भारतीय मूल के पहले खिलाड़ी बने। उन्होंने 2019 में बायर्न म्यूनिख की तरफ से पदार्पण किया। वह ऑस्ट्रेलियाई ए-लीग टीम वेलिंगटन फीनिक्स से बायर्न म्यूनिख में शामिल हुए थे। सरप्रीत ने 20 जून, 2020 को एससी फ्रीबर्ग के खिलाफ बायर्न म्यूनिख के लिए अपना पहला सीनियर मैच खेला। वह उस टीम का हिस्सा थे, जिसने 2019-2020 सत्र में बुंडेसलीगा का खिताब जीता था।

अमेरिका में 11 जून से शुरू होगा फुटबॉल का महाकुंभ

सैमुअल मौतौसामी (कांगो)

मौतौसामी का जन्म फ्रांस में हुआ था। उनकी माता कांगो मूल और पिता तमिल मूल के हैं। 29 वर्षीय मिडफील्डर वर्तमान में यूनान के सुपर लीग क्लब एटरोमिटोस के लिए खेल रहा है। वह कांगो की सीनियर राष्ट्रीय टीम की तरफ से अब तक 57 मैच खेल चुके हैं।

निशान वेलुपिल्लै (ऑस्ट्रेलिया)

निशान वेलुपिल्लै की मां एंग्लो-इंडियन और पिता श्रीलंकाई मूल के तमिल हैं। वह 25 वर्षीय विंगर ऑस्ट्रेलिया की 26 सदस्यीय टीम के उन 17 खिलाड़ियों में से एक हैं, जो फीफा विश्व कप में अपना पदार्पण करेंगे। वह ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष स्तरीय ए-लीग में मेलबर्न विक्ट्री के लिए खेलते हैं। उन्होंने अक्टूबर 2024 में विश्व कप क्वालीफाइंग राउंड के दौरान ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण किया।

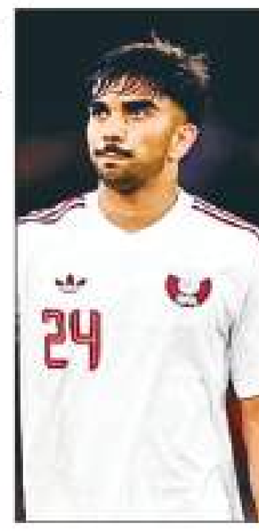

तहसीन मोहम्मद (कतर)

तहसीन का जन्म दोहा में मलयाली माता-पिता के घर हुआ था, जो 2006 में कन्नूर से कतर चले गए थे। वह 16 जून को 20 साल के हो जाएंगे। तहसीन के पिता जमशेद कालीकट विश्वविद्यालय के पूर्व खिलाड़ी थे। कतर में अकाउंटेंट जमशेद थालास्सेरी के रहने वाले हैं और उनकी मां श्यामा कन्नूर के पास वालापट्टनम की रहने वाली हैं। तहसीन ने दोहा स्थित एस्पायर अकादमी में अपने फुटबॉल कौशल को निखारा और कतर स्टार्स लीग में खेलने वाले भारतीय मूल के पहले खिलाड़ी बने। अभी वह अल दुहैल एससी के लिए खेलते हैं। विंगर तहसीन ने फीफा विश्व कप के एशियाई क्वालीफायर ग्रुप मैच के दौरान 2024 में अफगानिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया।

खबर संक्षेप

सूर्यकुमार यादव से छिनी टी20 की कप्तानी

नई दिल्ली। भारत को अपनी कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जिताने वाले स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को कप्तानी से हटा दिया गया है। इतना ही नहीं, खराब फॉर्म से जूझ रहे सूर्या का अब आगे भारतीय टी20 टीम में चुना जाना भी बेहद मुश्किल नजर आ रहा है। बीसीसीआई ने यह कड़ा और बड़ा फैसला इस महीने के अंत में होने वाले आयरलैंड और इंग्लैंड के आगामी दौरों से ठीक पहले लिया है। बीसीसीआई अब नए विजन के साथ भारतीय टी20 टीम के लिए एक नए कप्तान की नियुक्ति करने जा रही है।

भारत ने दनादन दागे 25 गोल सिंगापुर को दी शिकस्त

काकामिगाहारा। पहले ही सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुके भारत ने महिला अंडर-18 एशिया कप हॉकी प्रतियोगिता के पूल ए के अपने अंतिम मैच में सिंगापुर को 25-0 से करारी शिकस्त दी। इस जीत से भारत ने पूल ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने सिंगापुर के खिलाफ शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया। उसकी कम से कम 10 खिलाड़ियों ने गोल किए, जिनमें नौशीन नाज सबसे आगे रहीं। मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही गीताश्री नाम्बी ने पांच गोल किए।

एशियाई रिले : गुरविंदरवीर करेंगे दल की अगुवाई

नई दिल्ली। पुरुषों की 100 मीटर दौड़ के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुरविंदरवीर सिंह 20 और 21 जून को चीन के शांघू में होने वाली दूसरी एशियाई रिले चैंपियनशिप में भारत की 29 सदस्यीय मजबूत टीम की अगुआई करेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष बहादुर सिंह ने बताया कि एएफआई की चुनी भारतीय टीम के सदस्य सभी छह रिले स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा, 'चीन में होने वाली यह प्रतियोगिता एथलीटों के लिए महाद्वीपीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अच्छा मौका होगी।'

चीनी ताइपे को हराकर सेमीफाइनल में भारत

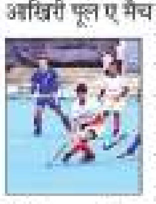

काकामिगाहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को अपने आखिरी पूल ए मैच में चीनी ताइपे को 13-1 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया और अंडर-18 एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने कजाखस्तान, कोरिया और चीनी ताइपे के खिलाफ जीत के साथ अपने पूल मैच खत्म किए जबकि मेजबान जापान से उसे हार का सामना करना पड़ा। इससे टीम को चार मैच में 9 अंक मिले। चीनी ताइपे के खिलाफ टीम ने आक्रामक रुख अपनाया, जिसमें आशीष तानी पूर्ति ने हैट्रिक करके सबसे अच्छा प्रदर्शन किया जबकि गाजी खान, सिद्धार्थ चेन और राहुल यादव ने दो-दो गोल किए।

महिला टी20 : इंग्लैंड ने जीती सीरीज,कैप्सी और नाइट ने जड़ा अर्धशतक

चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाकर हारी टीम इंडिया

हरमनप्रीत ने खेली नाबाद अर्धशतकीय पारी

टॉन्टन

एलिस कैप्सी की 82 रन की तूफानी पारी और हीथर नाइट की नाबाद 70 रन की सधी पारी की बदौलत इंग्लैंड ने तीसरे और अंतिम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को 6 विकेट से हराकर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर 5 विकेट पर 180 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (11) और स्मृति मंधाना (08) के जल्दी आउट होने के बाद भारत की तरफ से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 40 गेंद पर 7 चौकों की मदद से नाबाद 56 रन की पारी खेली। हरमनप्रीत के अलावा ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा (24 गेंद पर नाबाद 32), यास्तिका भाटिया (18 गेंद पर 32) और जेमिमा रोड्रिग्स (19 गेंद पर 29) ने भी उपयोगी योगदान देकर भारत को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। कैप्सी और नाइट की शानदार पारियों के कारण यह स्कोर पर्याप्त साबित नहीं हुआ तथा इंग्लैंड ने 18.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 184 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

कैप्सी और नाइट ने की 137 रन की साझेदारी

अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ ने भारत की तरफ से दो-दो विकेट लिए। इन दोनों की शानदार गेंदबाजी से इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और एक समय उसका स्कोर 3 विकेट पर 36 रन था। कैप्सी और नाइट ने यहीं से चौथे विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी की, जिससे इंग्लैंड इस प्रारूप में अपना दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने में सफल रहा। भारत को इस हार के बाद महिला टी20 विश्व कप से पहले अपने कमजोर पक्षों में सुधार करने की जरूरत होगी। भारतीय टीम विश्व कप में अपने पहले मैच में 14 जून को बर्मिंघम में पाकिस्तान का सामना करेगी।

इंग्लैंड ने पावर प्ले गंवाए 3 विकेट

इंग्लैंड ने पावर प्ले के दौरान ही सलामी बल्लेबाज सोफिया डंकली (16), डैनी व्याट-हॉज (05) और एमी जोन्स (02) के विकेट गंवा दिए थे। टीम में वापसी करने वाली तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने इंग्लैंड को शुरुआती झटके देते हुए हॉज और जोन्स को आउट किया। हॉज एक बेहतरीन गेंद पर आउट हुईं, जो अंदर की ओर स्विंग होकर उनके स्टंप्स को झकझोर गई। इसके बाद कैप्सी और नाइट ने बखूबी जिम्मेदारी संभाली। कैप्सी ने अपनी 45 गेंदों की पारी में 9 चौके और 5 छक्के लगाए जबकि नाइट की 42 गेंदों की पारी में 10 चौके शामिल हैं।

सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी बनीं हरमनप्रीत

हरमनप्रीत कौर ने विश्व कीर्तिमान बनाया है। न्यूजीलैंड की खिलाड़ी सूजी बेट्स को पछाड़कर कौर सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में जैसे ही कप्तान हरमनप्रीत कौर मैदान पर उतरीं, उन्होंने इतिहास रच दिया। अब वे तीनों फॉर्मेट को मिलाकर सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन चुकी हैं। हरमनप्रीत का ये 368वां मैच था। इससे पहले न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स ने 367 मैच खेले थे।

हम विश्व कप के लिए पूरी तरह से तैयार

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उनकी टीम महिला टी20 विश्व कप में अपनी अंतिम एकादश को लेकर काफी हद तक स्पष्ट है तथा वह इससे पहले दो अभ्यास मैच का उपयोग कुछ और संयोजन आजमाने तथा राधा यादव और भारती फुलमाली जैसी खिलाड़ियों को अवसर देने के लिए करेगा। हरमनप्रीत ने कहा, 'मेरा मानना है कि हम अपनी अंतिम एकादश को लेकर काफी हद तक स्पष्ट हैं। मुझे लगता है कि हम पूरी तरह से तैयार हैं। विश्व कप से पहले हमें दो अभ्यास मैच खेलने हैं, जिनमें हम अन्य संयोजनों को आजमाने के बारे में सोच सकते हैं।'

नहीं कर पाए डॉट गेंद, विश्व कप में नहीं करेंगे ऐसी गलती : स्मृति

स्मृति मंधाना ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उनके गेंदबाज पर्याप्त 'डॉट' गेंद नहीं कर पाए जिससे उन्हें 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

नॉर्वे चेस

7 दिन में दूसरी बार प्रज्ञानानंदा ने वर्ल्ड नं-1 कार्लसन को हराया

ओस्लो

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने नॉर्वे के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन के खिलाफ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में क्लासिकल बाजी में उन्हें दूसरी बार हराया और इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पहले भारतीय चैंपियन बनने की अपनी दावेदारी को मजबूत किया। विश्व चैंपियन डी गुकेश की खिताब जीतने की उम्मीदें आठवें दौर में फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा से एक और करारी हार के बाद खत्म हो गईं। वह 8 अंकों के साथ तालिका में सबसे निचले पायदान पर आ गए हैं। इस तरह से गुकेश का 2024 में विश्व चैंपियन बनने के बाद खराब प्रदर्शन जारी है।

12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर प्रज्ञानानंद

प्रज्ञानानंद इस वर्ष क्लासिकल बाजी में कार्लसन को दो बार हराने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इस एलीट डबल राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में उन्होंने पहले भी कार्लसन को क्लासिकल बाजी में हराया था। इस जीत से 20 वर्षीय प्रज्ञानानंद के 12 अंक हो गए और वह तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी तरफ इस हार से कार्लसन की आठवीं बार नॉर्वे शतरंज खिताब जीतने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। अब केवल दो राउंड का खेल बचा हुआ है और ऐसे में मौजूदा चैंपियन कार्लसन के लिए खिताब बचाना आसान नहीं होगा।

क्लासिकल बाजी में हारी दिव्या

महिला वर्ग में कजाकिस्तान की बिबिसारा असाउबायेवा ने दिव्या देशमुख को क्लासिकल बाजी में हराकर खिताब की दौड़ में अपनी पकड़ मजबूत कर ली। चीन की झू जिनर ने भी क्लासिकल में जीत हासिल की। उन्होंने मौजूदा महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन को हराकर 10 अंक के साथ दिव्या की बराबरी कर ली। मौजूदा चैंपियन अन्ना मुजिचुक और कोनेरू हम्पी ने अपना क्लासिकल गेम ड्रॉ किया। इसके बाद आर्मागेडन टाईब्रेक में ड्रॉ रहने से हम्पी को बोनस अंक मिल गया क्योंकि वह काले मोहरों से खेल रही थीं।

फ्रेंच ओपन

6 साल में 5वीं बार रोलैंड गैरोस के सेमीफाइनल में पहुंचे ज्वेरेव

पेरिस

दूसरे वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने युवा खिलाड़ी राफेल जोडर पर 7-6 (3) 6-1 6-3 से शानदार जीत दर्ज करते हुए फ्रेंच ओपन में अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं। इसी के साथ वह 6 साल में पांचवीं बार रोलैंड गैरोस के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

ज्वेरेव को कोर्ट पर पहले सेट में 19 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी जोडर ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन 29 साल के ज्वेरेव बिल्कुल भी विचलित नहीं हुए। उन्होंने 2-5 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 2 घंटे 17 मिनट में जीत हासिल की।

शीर्ष रैंकिंग वाली एरिना सबालेंका फ्रेंच ओपन से बाहर

पेरिस। दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका बुधवार को यहां फ्रेंच ओपन क्वार्टरफाइनल में डायना श्नाइडर के खिलाफ पहला सेट जीतने के बावजूद तीन सेट में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता सबालेंका को क्वार्टर फाइनल में श्नाइडर के खिलाफ 3-6, 7-5, 6-0 से शिकस्त झेलनी पड़ी। श्नाइडर ने मैच के बाद कहा, 'सच कहूं तो मेरे पास कहने के लिए शब्द ही नहीं हैं। मैं बहुत खुश हूं। मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं हर अंक पर ध्यान लगाने की कोशिश कर रही थी।'

इंडोनेशिया ओपन

प्री क्वार्टर फाइनल में आयुष सात्विक-चिराग मैच से हटे

जकार्ता। युवा भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बुधवार को इंडोनेशिया ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी मैच के बीच से हट गई।

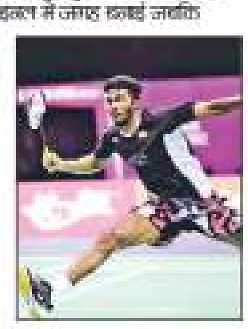

दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी आयुष ने इस सुपर 1000 टूर्नामेंट के पहले दौर में दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी चीन के होंग यांग वेंग को 8-21, 22-20, 21-15 से हराया। पहले गेम में करारी हार के बाद 21 साल के आयुष ने दूसरे गेम में 11-13 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मुकाबले को तीसरे और निर्णायक गेम में खींचा। आयुष ने तीसरे और निर्णायक गेम में पूरी तरह से दबदबा बनाते हुए दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां उनकी भिड़ंत हांगकांग के ली च्युक यू से होगी।

6 साल बाद न्यूजीलैंड जाएगी टीम इंडिया

खेलेंगी 5 टी20, 5 वनडे और 2 टेस्ट मैच

ऑकलैंड

भारत 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक न्यूजीलैंड का दौरा करेगा, जहां वह 2 टेस्ट, 5 एकदिवसीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। इस तरह से यह न्यूजीलैंड में भारत की अब तक की सबसे बड़ी पुरुष द्विपक्षीय क्रिकेट श्रृंखला होगी। यह पहला अवसर होगा जबकि कोई टीम न्यूजीलैंड में तीनों प्रारूप में कुल मिलाकर 12 मैच खेलेगी।

यह श्रृंखला दोनों देशों के बीच खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में खेली जाएगी। इस 40 दिवसीय दौरे की शुरुआत 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से होगी। टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के बाद एकदिवसीय श्रृंखला होगी, जिसका पहला मैच 4 नवंबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा।

टेस्ट श्रृंखला की शुरुआत 19 नवंबर से वेलिंगटन में

टेस्ट श्रृंखला की शुरुआत 19 नवंबर से वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में होगी। दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च के हैगली ओवल में 27 नवंबर से एक दिसंबर तक खेला जाएगा। भारत 2019-20 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड में टेस्ट श्रृंखला खेलेगा। तब से न्यूजीलैंड ने भारत का दो बार दौरा किया है, जिसमें उनका 2024-25 का ऐतिहासिक दौरा भी शामिल है, जब उसने टेस्ट श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया था।

भारत-अफगानिस्तान एक मात्र टेस्ट मैच 6 जून से

सिराज-प्रसिद्ध ने भीषण गर्मी में किया जमकर अभ्यास

मुल्लांपुर

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले बुधवार को भीषण गर्मी के बावजूद लगभग 25 मिनट तक जमकर अभ्यास किया। इस एकमात्र टेस्ट मैच के बाद भारत और अफगानिस्तान के बीच 3 मैच की वनडे श्रृंखला खेली जाएगी।

इंडियन प्रीमियर लीग में दो महीने तक व्यस्त रहने के बाद गेंदबाजों के कार्यभार को लेकर कुछ सवाल उठ रहे थे, लेकिन चिलचिलाती धूप में सिराज की शानदार गेंदबाजी से स्पष्ट हो गया कि इस सीनियर तेज गेंदबाज की फिटनेस को लेकर किसी तरह की चिंता नहीं है। अगर सिराज फिट नहीं होते तो उनके लिए चिलचिलाती धूप में अपनी पूरी ताकत से गेंदबाजी करना आसान नहीं होता। लेकिन उनकी गेंदबाजी को देखकर लगता है कि वह इस टेस्ट मैच में भारतीय गेंदबाजी की अगुवाई करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

नेट प्रैक्टिस में बराड़ ने किया ध्यान आकर्षित

अभ्यास सत्र के दौरान 6 फुट 5 इंच लंबे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने भी सबका ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने अच्छी लेंथ से तेज उछाल हासिल की। कम से कम दो मौकों पर उनकी गेंद केएल राहुल के बल्ले का बाहरी किनारा लेकर पीछे गई। राहुल इसके अलावा अभ्यास के दौरान तकनीकी रूप से काफी कुशल नजर आए। जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी डार ने कई चरणों में गेंदबाजी की। उन्होंने भी अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। नबी ने अपनी लाइन और लेंथ को बनाए रखते हुए अच्छा नियंत्रण बनाए रखा।

हर्ष दुबे और मानव सुथार ने की नेट में गेंदबाजी

इस सत्र का एक उल्लेखनीय पहलू बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे को बल्लेबाजी करने का अधिक समय देना रहा। इससे पता चलता है कि टीम प्रबंधन उनकी ऑलराउंड क्षमता का उपयोग करने के लिए उत्सुक है। दुबे और बाएं हाथ के स्पिनर के स्थान के लिए उनके प्रतिद्वंद्वी मानव सुथार ने पास-पास के नेट में गेंदबाजी की। इस दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर उन पर करीबी नजर रखे हुए थे। कप्तान शुभमन गिल समेत कई विशेषज्ञ बल्लेबाजों ने प्रिंस यादव समेत रिजर्व गेंदबाजों के खिलाफ नेट पर अच्छा खासा समय बिताया।

इन दिनों सोनी सब चैनल के शो 'यादें' में दिग्विजय यानी डिग्गी के किरदार में अर्जुन पुंज नजर आ रहे हैं। वे फिटनेस को लाइफ के लिए बहुत इंपॉर्टेंट मानते हैं। यहां अपनी फिटनेस, डाइट प्लान और मेंटल हेल्थ के बारे में अर्जुन बता रहे हैं अपनी जुबानी।

फिटनेस सिर्फ बॉडी नहीं सोच-जिंदगी भी बदलती है

फिटनेस फंडा

अर्जुन पुंज

मेरा मानना है कि अच्छी जिंदगी के लिए हेल्दी और फिट रहना बहुत जरूरी है। फिटनेस सिर्फ अच्छे दिखने के लिए नहीं होती, बल्कि अंदर से स्वस्थ रहना भी उतना ही जरूरी है। शरीर एक मंदिर की तरह होता है। अगर लगातार खुद को फिट रखा जाए, तो वही शरीर बढ़ती उम्र में सबसे ज्यादा साथ देता है। हो सकता है कि अभी उसका असर तुरंत दिखाई न दे, लेकिन आगे चलकर वही फिटनेस काम आती है।

सलमान खान से मिली प्रेरणा: मेरे लिए हमेशा से सबसे बड़े फिटनेस आइडल सलमान खान रहे हैं। जब मैं पांचवीं या छठी क्लास में था, तब उनकी फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' आई थी। उसमें 'ओ ओ जाने जाना' गाने में उन्हें देखकर मैं बहुत इंस्पायर हुआ था। तभी मैंने सोच लिया था कि बड़ा होकर खुद को जरूर फिट रखूंगा। और भी कलाकार फिट रहे हैं, लेकिन सलमान खान ने जिस तरह जिम और बॉडी बिल्डिंग कल्चर को लोगों के बीच लोकप्रिय बनाया, वह शानदार है। आज भी बड़ी संख्या में युवा उनको फॉलो कर रहे हैं।

एनर्जेटिक रहना भी है जरूरी: यदि प्रोफेशन की बात करें, तो टीवी इंडस्ट्री में फिट दिखना जरूरी होता है। लेकिन आम लोगों के लिए सबसे जरूरी चीज है एनर्जेटिक महसूस करना। सिर्फ दिखने के लिए खुद को भूखा रखना, बहुत ज्यादा डाइटिंग करना या हर पसंद की चीज छोड़ देना सही नहीं है। इससे इंसान बाहर से फिट दिख सकता है, लेकिन अंदर से अच्छा महसूस नहीं करता। 12-12 घंटे काम करने वाले लोगों के लिए खुद को एनर्जेटिक रखना सबसे जरूरी है। यदि इंसान अंदर से खुश और एनर्जेटिक रहेगा, तो उसका असर उसके काम और आस-पास के माहौल पर भी दिखाई देगा।

डाइट प्लान: मैं सुबह नाश्ता नहीं करता। इसे इंटरमिटेंट फास्टिंग कहते हैं। रात को सवा आठ बजे तक खाना खा लेता हूं और फिर अगले दिन सीधे लंच करता हूं। इससे शरीर को थोड़ा आराम मिलता है। हर चीज जो 24 घंटे लगातार चलती रहती है, उसे थोड़ा ब्रेक मिलना चाहिए, दिल को छोड़कर। मैं नॉन-वेजिटेरियन हूं, इसलिए लंच में दाल, रोटी, सब्जी, सलाद के साथ कभी-कभी फिश या चिकन भी शामिल होता है। शाम को ओटमील, नट्स और फल लेता हूं और रात में अच्छा डिनर करता हूं। मुझे लगता है कि अच्छा डिनर करके आराम से इंटरमिटेंट फास्टिंग करना ज्यादा बेहतर है। फिट रहने के लिए मैं खुद को किसी चीज से दूर नहीं रखता। सब खाता हूं, लेकिन लिमिट में। यदि जरूरत से ज्यादा खाएंगे, तो सिर्फ वर्कआउट से फर्क नहीं पड़ेगा। संडे को छोले-भटूरे भी खाता हूं और चीट-डे पर पिज्जा, पास्ता, बर्गर भी चलता है। जिंदगी को एंजॉय करना भी जरूरी है। अच्छा खाना नहीं मिलेगा, तो इंसान थोड़ा मायूस रहेगा और फिर काम में भी मजा नहीं आएगा।

वर्कआउट में बैलेंस जरूरी: मेरा वर्कआउट वेट ट्रेनिंग और बॉडी वेट एक्सरसाइज दोनों का मिश्रण है। डंबल्स के साथ-साथ पुशअप्स, पुलअप्स जैसी एक्सरसाइज भी करता हूं। लंबे समय तक शरीर को मजबूत रखने के लिए दोनों चीजें जरूरी हैं। यदि लगातार शरीर से काम लिया जाए, तो बढ़ती उम्र में भी हर दिन के काम आसानी से होते हैं और सहारे की जरूरत कम पड़ती है।

मेंटल हेल्थ प्लानिंग: मेंटली स्ट्रॉन्ग रहने के लिए अंदर से मजबूत होना जरूरी है। अच्छे समय में तो हर इंसान खुश रहता है, लेकिन असली परीक्षा तब होती है, जब जिंदगी में मुश्किल समय चल रहा हो। जब काम नहीं हो, चीजें समझ नहीं आ रही हों और जिंदगी उलझी हुई लगे, तब भी पॉजिटिव बने रहना बहुत जरूरी है। खुद पर और ऊपर वाले पर भरोसा रखना चाहिए कि जो होगा, अच्छे के लिए होगा। *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. प्रणव घोड़गांवकर
लीड न्यूरो-सर्जन एंड ओंको-ब्रेन सर्जन
कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर

- *10वां बड़ा कारण है ब्रेन ट्यूमर भारत में विभिन्न रोगों से होने वाली मौतों का।*
- *आंकड़ों के अनुसार 3.2 लाख से अधिक लोगों की मौतें दुनिया भर में हर साल ब्रेन ट्यूमर के कारण होती हैं।*

स्पेशल: वर्ल्ड ब्रेन ट्यूमर-डे, 8 जून

हर वर्ष दुनिया में कई लाख लोग ब्रेन ट्यूमर की वजह से अपनी जान गंवा देते हैं। आमतौर पर इसे लाइलाज माना जाता है, जबकि सच्चाई यह है कि अगर समय रहते इसका पता चल जाए तो पूरा ट्रीटमेंट संभव है। इसलिए जरूरी है कि इसके प्रति अवेयर रहें और इसके लक्षण दिखने पर प्रॉपर डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट करवाया जाए। इस बारे में डिटेल में जानिए।

घबराएं नहीं-सजग रहें क्योरेबल है ब्रेन ट्यूमर

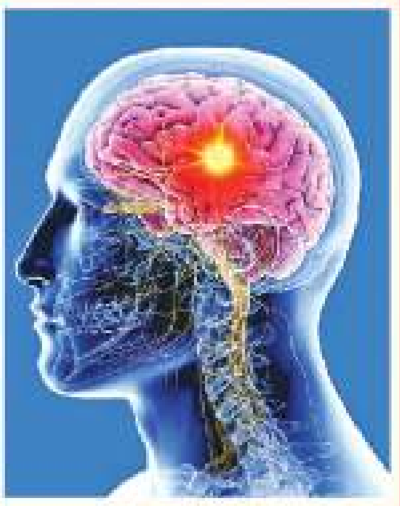

आधुनिक मेडिकल साइंस में हुई चमत्कारिक प्रगति के कारण मस्तिष्क या ब्रेन ट्यूमर के संदर्भ में अब घबराने की नहीं बल्कि जागरूक होने की जरूरत है। ऐसे ट्यूमर से ग्रस्त लोगों और उनके परिजनों को यह बात याद रखनी चाहिए कि समय रहते पता चलने पर ब्रेन ट्यूमर का अब समुचित उपचार संभव है।

क्या है ब्रेन ट्यूमर

जैसे शरीर के अन्य भागों में कोशिकाओं की असामान्य व अनियंत्रित वृद्धि के कारण कैंसर पनपता है, ठीक वैसे ही मस्तिष्क की कोशिकाओं (जिन्हें न्यूरॉन्स कहा जाता है) में अनियंत्रित व असामान्य वृद्धि होने से जो गांठ बन जाती है, उसे ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। ब्रेन कैंसर का एक स्वरूप है- ब्रेन ट्यूमर। एक अध्ययन से पता चला है कि समस्त प्रकार के ब्रेन कैंसर, ट्यूमर होते हैं, किंतु सभी ब्रेन ट्यूमर कैंसर नहीं होते हैं।

ब्रेन ट्यूमर के प्रकार

मस्तिष्क में स्थित जो ट्यूमर कैंसर रहित होते हैं, उन्हें बिनाइन ब्रेन ट्यूमर कहा जाता है और जिन ट्यूमर्स में कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि से गांठ पड़ जाती है, उन्हें मैलिग्नेंट या 'कैंसरस' ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। ब्रेन ट्यूमर में मस्तिष्क के टिश्यूज असामान्य रूप से तेजी से बढ़ते हैं, जिसके परिणामस्वरूप मस्तिष्क के आंतरिक भाग में दबाव बढ़ता है। नतीजतन सिरदर्द आदि समस्याएं शुरू हो जाती हैं।

प्राइमरी और मेटास्टेटिक ट्यूमर: जो ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क में उत्पन्न होते हैं, उन्हें प्राइमरी ब्रेन ट्यूमर कहा जाता है और जो ट्यूमर मस्तिष्क से परे शरीर के दूसरे अंगों जैसे किडनी, लिवर और फेफड़ों आदि के जरिए मस्तिष्क तक पहुंचते हैं, उन्हें सेकेंडरी या मेटास्टेटिक ब्रेन ट्यूमर कहते हैं।

ब्रेन ट्यूमर के कारण

ब्रेन ट्यूमर होने का कोई एक निश्चित व विशिष्ट कारण अभी तक ज्ञात नहीं हो सका है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार व्यक्ति की जेनेटिक प्रोग्रामिंग की सीक्वेंसिंग में होने वाली गड़बड़ी या जींस से संबंधित गड़बड़ियों के कारण ज्यादातर ट्यूमर उत्पन्न होते हैं। बावजूद इसके कुछ ऐसी स्थितियां हैं, जिनके परिणामस्वरूप इसके होने का जोखिम बढ़ सकता है। जैसे-

विकिरण (रेडिएशन) युक्त अनहेल्दी माहौल: जिस माहौल में आप रहते हैं, वहां पर किसी रासायनिक या अन्य विषाक्त गैसों का रेडिएशन रिस्की हो सकता है। अगर किसी वस्तु या स्थान से रेडिएशन हो रहा है तो कालांतर में ऐसे माहौल में रहने से ब्रेन ट्यूमर का जोखिम बढ़ सकता है।

ब्रेन ट्यूमर के सामान्य लक्षण

ब्रेन ट्यूमर के कोई स्पेसिफिक लक्षण नहीं होते हैं। सिर में लगातार दर्द रहना, लेकिन कालांतर में तेज सिरदर्द होना। ब्रेन ट्यूमर का दर्द आमतौर पर सुबह के वक्त ज्यादा होता है। सिरदर्द के साथ उल्टी होना। उल्टी के बाद सिरदर्द में तात्कालिक तौर पर राहत मिल जाती है। शरीर के किसी भाग जैसे दाएं हाथ व पैर या बाएं हाथ और पैर में कमजोरी महसूस करना। बोलने में दिक्कत महसूस होना। किसी बात को समझने या फिर भाषा को समझने में दिक्कत। ट्यूमर न्यूरॉन्स को दबाते हैं, जिसके कारण मिर्गी के दौरे पड़ते हैं। नेत्र ज्योति का कम होते जाना या धुंधला दिखाई पड़ना। मेमोरी कमजोर होना। पढ़ने या लिखने में परेशानी महसूस करना। हर वस्तु का दोहरा (डबल) स्वरूप दिखाई पड़ना। शारीरिक संतुलन खोना या चक्कर आना। स्वाद व सूंघने की शक्ति का कमजोर होना जैसे लक्षण दिख सकते हैं।

डायग्नोसिस के तरीके

सीटी स्कैन (ब्रेन): इसकी सहायता से मस्तिष्क के आंतरिक भागों की फोटो देखकर मर्ज की स्थिति का आकलन किया जाता है।

एमआरआई (ब्रेन): इसके अंतर्गत रेडियो सिग्नल की मदद से मस्तिष्क की संरचना से संबंधित जानकारियां ली जाती हैं।

फंक्शनल एमआरआई (ब्रेन): फंक्शनल एमआरआई की जांच से ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी अब कहीं ज्यादा बेहतर हो चुकी है। इसका कारण यह है कि इस विशिष्ट एमआरआई से मस्तिष्क के आंतरिक भाग की गतिविधियों और ट्यूमर के कारण मस्तिष्क के अमुक भाग में हुई क्षति का सटीक आकलन किया जा सकता है।

इलाज के तरीके

सर्जरी: जांचों के आधार पर न्यूरो सर्जन यह बात सुनिश्चित करते हैं कि ब्रेन ट्यूमर का आकार और उसकी स्थिति क्या है। इसके बाद ही ट्यूमर की सर्जरी का निर्णय लिया जाता है।

एंडोस्कोपिक सर्जिकल प्रक्रिया: ब्रेन ट्यूमर को हटाने में इस प्रक्रिया का भी सहारा लिया जाता है।

विकिरण (रेडिएशन) थेरेपी: इन दिनों प्रचलन में जारी लगभग सभी रेडिएशन थेरेपीज 'फोकस्ड' या 'टारगेटेड' होती हैं। फोकस्ड या टारगेटेड से यहां आशय ऐसी रेडिएशन थेरेपी से है, जिससे कैंसरग्रस्त कोशिकाओं या ट्यूमर के अलावा आसपास स्थित अन्य स्वस्थ टिश्यूज और कोशिकाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचता। कैंसरग्रस्त ट्यूमर को हटाने के लिए विकिरण चिकित्सा का सहारा लेते हैं।

गामा नाइफ: यह एडवांस रेडियोथेरेपी प्रोसीजर है। इस आधुनिक प्रोसीजर से ट्यूमर को खत्म करते हैं।

साइबर नाइफ रेडिएशन थेरेपी: अगर ट्यूमर का आकार टेढ़ा है या फिर अंडाकार है, तो ऐसे मामलों में साइबर नाइफ बेहतर साबित होता है।

प्रोटॉन बीम थेरेपी: कैंसर के इलाज में यह सबसे आधुनिक चिकित्सा पद्धति है। इसमें ब्रेन ट्यूमर को हटाने के लिए प्रोटॉन की किरणों का उपयोग करते हैं, जबकि ज्यादातर रेडिएशन थेरेपी में एक्स-रे का उपयोग होता है।

कीमोथेरेपी: इसके अंतर्गत ट्यूमर को समाप्त करने के लिए दवाओं का उपयोग किया जाता है।

ब्रेन ट्यूमर से बचाव

फिलहाल किसी वैक्सीन या दवा से ब्रेन ट्यूमर से बचाव संभव नहीं है। हालांकि धूम्रपान, शराब या अन्य नशों से दूर रहकर आप काफी हद तक स्वस्थ बने रह सकते हैं, लेकिन ये सब बातें प्राइमरी ब्रेन ट्यूमर्स से बचाव के संदर्भ में लागू नहीं होतीं। हां, सेकेंडरी ब्रेन ट्यूमर्स (मेटास्टेटिक) को परोक्ष रूप से स्वास्थ्यकर जीवनशैली पर अमल कर रोका जा सकता है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

ब्रेन ट्यूमर से रिलेटेड मिथ-फैक्ट

मिथ: तमाम लोगों का ऐसा मानना है कि मोबाइल फोन का अधिक इस्तेमाल कालांतर में ब्रेन ट्यूमर का कारण बन सकता है।

फैक्ट: ब्रिटेन के यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन में हुए एक अध्ययन के अनुसार अभी तक दुनिया भर में जो शोध, अध्ययन हुए हैं, उनसे यह बात प्रमाणित नहीं होती कि मोबाइल फोन से ब्रेन ट्यूमर होता है। बावजूद इसके तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि लंबे समय तक विकिरण (रेडिएशन) के प्रभाव में रहने से शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए विकिरण रहित स्वच्छ पर्यावरण व वातावरण में रहना मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत सुरक्षित होता है।

मिथ: तनावग्रस्त रहने से ब्रेन ट्यूमर होता है।

फैक्ट: इस तरह की धारणा बेबुनियाद है। ऐसे किसी शोध व अध्ययन से फिलहाल यह जानकारी नहीं मिली है कि तनावग्रस्त रहने से व्यक्ति ब्रेन ट्यूमर से ग्रस्त होता है।

मिथ: युवाओं को ब्रेन ट्यूमर नहीं होता।

फैक्ट: ब्रेन ट्यूमर सभी आयु वर्ग के लोगों को अपनी गिरफ्त में ले सकता है। चाहे वे युवा हों, वयस्क या फिर बुजुर्ग। इसका उम्र से कोई संबंध नहीं होता है।

मिथ: उम्र बढ़ने पर ब्रेन ट्यूमर के मामले भी बढ़ते जाते हैं। खासी ओल्ड एज में इसकी आशंका बढ़ जाती है।

फैक्ट: ऐसा कुछ भी नहीं है। किसी भी व्यक्ति के जीवनकाल में मैलिग्नेंट ब्रेन ट्यूमर होने का खतरा 1 प्रतिशत से कम होता है।

डाइट सजेशन

शिखर चंद जैन

आज की फास्ट लाइफस्टाइल में लोग अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड यानी रेडी टू ईट या फ्रोजेन या पैक्ड फूड्स का सेवन काफी करने लगे हैं। इससे फिजिकल हेल्थ पर तो कई तरह से बुरा असर पड़ता ही है, कई मेंटल प्रॉब्लम्स भी हो सकती हैं। एक स्टडी में इस बात का खुलासा हुआ है। इसलिए इस बारे में जानना बहुत जरूरी है।

मेंटल हेल्थ को प्रभावित करता है अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के सेवन से लिवर फैट, कोलेस्ट्रॉल बढ़ने, मोटापा, माइग्रेन, हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं तो होती ही हैं। इसके अलावा इससे मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। इस संबंध में कई शोध ऐसे हो चुके हैं जिनसे यह बात प्रमाणित होती है। ऐसे कुछ शोध अमेरिका की संस्था सैपियन लैब्स में हुए, जो वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य और मानव मस्तिष्क की कार्यप्रणाली का अध्ययन करती है। इसका मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट के कारणों को समझना और 'ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट' के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य भागफल का डेटा एकत्र करना है। यह 'मेंटल हेल्थ मिलियन प्रोजेक्ट' द्वारा मानसिक स्वास्थ्य का आकलन भी करती है। सैपियन लैब्स की 2025 की 'ग्लोबल माइंड हेल्थ' रिपोर्ट में यह पाया गया कि 18-34 वर्ष के युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ने का एक मुख्य कारण अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का अधिक सेवन है। भारत में इस आयु वर्ग के 44 प्रतिशत युवा इसका सेवन कर रहे हैं, जो अवसाद और कम भावनात्मक नियंत्रण से जुड़ा है।

क्या कहती है लेटेस्ट रिसर्च

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड और मानसिक स्वास्थ्य के बीच के संबंध पर हालिया रिसर्च काफी चौंकाने वाली है। मानसिक स्वास्थ्य सूचकांक में गिरावट के कारणों से संबंधित रिसर्च में पाया गया कि जो लोग दिन में 3 बार या उससे अधिक अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड (जैसे चिप्स, सोडा, इंस्टेंट नूडल्स, फ्रोजन मील) खाते हैं, उनका 'मेंटल हेल्थ कोशेंट' उन लोगों की तुलना में बहुत कम होता है, जो इसे कभी-कभार खाते हैं।

युवाओं पर गहरा असर

संस्थान के द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया है कि भारत में 18-34 वर्ष के लगभग 44 प्रतिशत युवा भारी मात्रा में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का सेवन कर रहे हैं। इस समूह में डिप्रेशन (अवसाद), एंग्जायटी (घबराहट) और इमोशनल कंट्रोल की कमी के मामले सबसे अधिक देखे गए। इनका अधिक सेवन मस्तिष्क के उन हिस्सों को प्रभावित करता है, जो भावनाओं को नियंत्रित करते हैं।

मेंटल हेल्थ पर दुष्प्रभाव

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स के मेंटल हेल्थ पर पड़ने वाले असर के बारे में वैज्ञानिकों ने इस शोध में तीन मुख्य कारण बताए हैं-

गट-ब्रेन एक्सिस: अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में मौजूद प्रिजर्वेटिव्स और आर्टिफिशियल स्वीटनर्स, पेट के अच्छे बैक्टीरिया को खत्म कर देते हैं। चूंकि 90 प्रतिशत सेरोटोनिन (हैप्पी हार्मोन) पेट में बनता है, इसलिए खराब पाचन सीधे तौर पर खराब मूड और तनाव का कारण बनता है।

न्यूरो-इंफ्लेमेशन: अल्ट्रा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में मौजूद 'इमल्सीफायर्स' मस्तिष्क में सूजन पैदा कर सकते हैं, जिससे सोचने-समझने की क्षमता और याददाश्त पर बुरा असर पड़ता है।

पोषक तत्वों की कमी: इस शोध में यह भी पाया गया कि अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड खाने वाले लोगों के मस्तिष्क को जरूरी ओमेगा-3 और विटामिन नहीं मिल पाते, जिससे मानसिक थकान बढ़ती है।

व्यवहार में आए बदलाव

अधिक अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड खाने वाले लोगों में 'कॉग्निटिव डिक्लाइन' (मानसिक क्षमताओं में गिरावट) के लक्षण जल्दी देखे गए हैं। इनमें छोटी-छोटी बातों पर चिड़चिड़ापन और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई यानी ब्रेन फॉग भी शामिल होता है।

समस्या का समाधान

इस रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिकों का सुझाव है कि आहार में 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा 'होल फूड्स' (फल, सब्जियां, दालें, अनाज) का होना चाहिए। यदि अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का सेवन दिन में एक बार से कम कर दिया जाए, तो मानसिक स्वास्थ्य स्कोर में 15-20 प्रतिशत तक सुधार देखा जा सकता है।

हार्मफुल अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड

शुगरी ड्रिंक्स और सोडा: कोला, एनर्जी ड्रिंक्स और पैकेट वाले 'फ्रूट जूस' (जिनमें चीनी/रंग ज्यादा होता है), सीधे तौर पर मानसिक सुस्ती और चिड़चिड़ापन बढ़ाते हैं।

इंस्टेंट नूडल्स और सूप: इनमें 'एमएसजी' यानी मोनो सोडियम ग्लूकानेट और अत्यधिक सोडियम होता है, जो मस्तिष्क की नसों पर दबाव डाल सकता है और 'ब्रेन फॉग' (मानसिक धुंधलापन) पैदा करता है।

फ्रोजन और रेडी-टू-ईट मील: फ्रोजन पिज्जा, बर्गर पेटीज और पैकेट बंद स्नैक्स आदि में 'इमल्सीफायर्स' होते हैं, जो पेट की परत को नुकसान पहुंचाकर मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

स्वीट ब्रेकफास्ट सीरियल्स: इनमें रिफाइंड शुगर बहुत ज्यादा होती है, जिससे 'शुगर क्रैश' होता है और थकान बढ़ती है।

प्रोसेस्ड मीट: प्रोसेस्ड मीट में मौजूद 'नाइट्रेट्स' शरीर में सूजन बढ़ाते हैं।

बरतें सावधानी

यदि किसी फूड पैकेट के पीछे 5 से ज्यादा सामग्री लिखी हैं, या ऐसे नाम लिखे हुए हैं, जिन्हें आप पढ़ या समझ नहीं पा रहे तो इस बात की संभावना अधिक है कि वह फूड आइटम अल्ट्रा-प्रोसेस्ड है। *

ये हैं हेल्दी डाइट ऑप्शंस

नारियल पानी, नींबू पानी या छाछ पीने की आदत डालें। इनमें नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो मूड सुधारते हैं। व्हाइट ब्रेड या मीठे सीरियल्स के बजाय ओट्स, दलिया या पोहा खाना फायदेमंद है क्योंकि ये धीरे-धीरे एनर्जी रिलीज करते हैं, जिससे बॉडी में शुगर लेवल स्थिर रहता है। आलू के चिप्स या कुरकुरे की बजाय भुने हुए मखाने, चने या नट्स (बादाम, अखरोट) आदि लें। नट्स में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड मस्तिष्क के लिए सुपरफूड जैसा काम करता है। इंस्टेंट नूडल्स के विकल्प के रूप में सूजी की सिवइयां या घर का बना पास्ता खाएं। इनमें प्रिजर्वेटिव्स नहीं होते और ये सुपाच्य होते हैं। बिस्किट या कुकीज नहीं, ताजे फल या डार्क चॉकलेट (70 प्रतिशत कोको) खाएं। कई स्टडीज में सामने आया है कि डार्क चॉकलेट तनाव कम करने वाले हार्मोन रिलीज करती है।

बेजुबान पशुओं की पीड़ा समझी विधान परिषद सभापति ने

बम्हरौली में पशु चिकित्सालय की मंजूरी, ढाई वर्ष के प्रयास रंग लाए

(यंग भारत न्यूज)

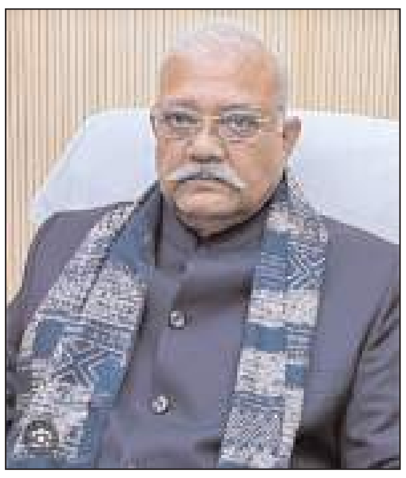

झांसी । कल उत्तरप्रदेश कैबिनेट की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में झांसी जनपद के ग्राम बम्हरौली में गौ आश्रय स्थलों व पशु चिकित्सा सेवाओं के लिए दया भावना फाउंडेशन से गौ आश्रय स्थलों व पशु चिकित्सा सेवाओं के लिए एम ओ यू को मंजूरी दी गई । इस परियोजना के तहत फाउंडेशन सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई 5एकड़ जमीन पर गौ आश्रय स्थल के साथ अत्याधुनिक पशु उपचार अस्पताल अपने खर्चे पर स्थापित किया जाएगा । विधान परिषद सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह के बेजुबान पशुओं की पीड़ा समझने और ढाई वर्ष के उनके सतत प्रयास धरातल पर उतरने से झांसी ही नहीं आसपास के जनपदों में सड़कों पर दुर्घटनाओं में घायल पशुओं की जीवन रक्षा का पुण्य कार्य यहां होने वाला है द्य इतना ही नहीं मुख्यमंत्री की रुचि और विधान परिषद सभापति की सतत पैरवी के चलते निजी संस्था को भूमि देने में रोड़ा बने 3 जून 2016 के एक शासनादेश को शिथिल करते हुए कैबिनेट ने यह असंभव कार्य करने का रास्ता साफ किया।

उल्लेखनीय है कि दया भावना फाउंडेशन द्वारा सोनागिर जनपद दतिया में विगत 3 वर्षों से आचार्य विद्यासागर महाराज गौ उपचार अस्पताल व राम पक्षी उपचार अस्पताल का सफल संचालन किया जा रहा है । अस्पताल आधुनिक पशु चिकित्सा उपकरणों जैसे हाइड्रोलिक एम्बुलेंस, एक्स रे मशीन, अल्ट्रासाउंड, ब्लड चेक अप मशीन व हैंगिंग मशीन से परिपूर्ण है। जरूरत होने पर पशुओं की सर्जरी भी की जाती है। भविष्य में यहां कृत्रिम अंग लगाने की व्यवस्था करने की दिशा में भी प्रयास चल रहा है। 2023 के अंतिम माह में जैन मुनि परम पूज्य अविचल सागर महाराज ने विधान परिषद सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह से मिलकर अपने फाउंडेशन के द्वारा झांसी कानपुर मार्ग पर आए दिन गौ वंश के घायल होने और उपचार के अभाव में उनके दम तोड़ने की लगातार घटनाओं को रोकने के लिए झांसी या जालौन जनपद में 5 एकड़ भूमि सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाने पर सोनागिर जनपद दतिया से भी अत्याधुनिक अस्पताल स्थापित करने की बात कही। लखनऊ आने जाने और अन्य जनपदों में भ्रमण के दौरान विधान परिषद सभापति भी बेजुबान जानवरों की दुर्दशा को देख काफी व्यथित थे। उन्होंने जैन मुनि को भरोसा दिया कि वह इसके लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे । कुंवर मानवेंद्र सिंह ने 7जनवरी 2024 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंटकर विस्तार से योजना पर चर्चा करते हुए इस संबंध में पत्र उन्हें सौंपा । मुख्यमंत्री ने अपने प्रमुख सचिव संजय प्रसाद को निर्देशित करते हुए इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा । प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री ने 10 जनवरी को जिलाधिकारी झांसी व जालौन को विधान परिषद सभापति का पत्र संलग्न करते हुए आख्या भेजने के निर्देश दिए ।

दोनों जनपदों का प्रशासनिक तंत्र हरकत में आया। झांसी कानपुर मार्ग पर 5 एकड़ उपयुक्त जगह की तलाश में प्रशासन जुटा । कई जगह जमीनें देखी गईं , इसमें काफी समय लगाआखिर मोंठ के पास बम्हरौली में कृषि विभाग की 9.77 हैक्टेयर भूमि चिन्हित की गई। इसके लिए ग्राम पंचायत से प्रस्ताव पारित कराने से लेकर तहसीलदार, उप जिलाधिकारी मोंठ और जिलाधिकारी झांसी से मुख्यमंत्री कार्यालय तक आख्या भिजवाने में विधान परिषद सभापति ने व्यक्तिगत रुचि ली । अब इसमें पेंच फंसा कृषि विभाग से भूमि पशु पालन विभाग को जमीन स्थानांतरित करने का। इसके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता होते हुए भी इतनी लंबी और जटिल प्रक्रिया है कि संबंधित विभागों में जिले से लेकर सचिवालय और विभागीय मंत्रियों तक की आख्या और संस्तुति के बाद ही जमीन स्थानांतरित होती है । विभागीय मंत्रियों और उच्च अधिकारियों के साथ बैठ कर विधान परिषद सभापति ने इस कार्य का आधार तैयार कराया । बाद में पहले मुख्यमंत्री से मिलकर जमीन कृषि विभाग से पशुपालन विभाग को स्थानांतरित करने का प्रस्ताव 2025 में पारित कराया। फिर एक पेंच यह फंसा जिसका उल्लेख जिलाधिकारी झांसी ने अपनी 12 अगस्त 2024 की आख्या में किया था कि 3 जून 2016 के एक शासनादेश में ऐसी सरकारी भूमि निजी संस्थाओं या न्यासों को निशुल्क देने का प्रावधान नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रुचि और विधान परिषद सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह की सतत पैरवी से कैबिनेट ने जनहित में उक्त शासनादेश को शिथिल करते हुए जमीन देने का निर्णय लेकर एक असंभव कार्य पूरा कर दिखाया।

संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पर भाजपा जिला महामंत्री का मनाया गया जन्मदिवस

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी । संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री छत्रपाल सिंह राजपूत का जन्मदिन हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष डॉ. संदीप सरावगी ने छत्रपाल सिंह राजपूत को तिलक लगाकर, शॉल ओढ़ाकर एवं उपहार भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उपस्थित लोगों ने भी उन्हें पुष्पमालाएं पहनाकर दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

इस अवसर पर डॉ. संदीप सरावगी ने अपने संबोधन में कहा कि 'छत्रपाल सिंह राजपूत एक कर्मठ, मिलनसार एवं समाजसेवा के प्रति समर्पित व्यक्तित्व हैं। उन्होंने संगठन और समाज के लिए हमेशा सकारात्मक भूमिका निभाई है। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। ऐसे समर्पित कार्यकर्ता समाज और संगठन दोनों की अमूल्य पूंजी होते हैं।' कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी छत्रपाल सिंह राजपूत के सामाजिक एवं संगठनात्मक योगदान की सराहना करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदीप गुप्ता (क्षेत्रीय सह-संयोजक), नारायण राजपूत लोधी, तुलसीदास राजपूत (आचार्य जी), एल.वी. आर्य (मनोनीत पार्षद), ध्रुव राजपूत (एडवोकेट), एड. हेमंत यादव, वीरेंद्र पटेल, रामबाबू फौजी, प्रेम सिंह राजपूत, अनिल राजपूत, राहुल राजपूत, चंद्रपाल राजपूत, संदीप नामदेव, राजू सेन, अनुज प्रताप सिंह, सुशांत गुप्ता, बसंत गुप्ता, राकेश अहिरवार, कुसुम साहू, मीना मसीह, भूपेंद्र यादव, श्रीराम बाथम, अभिषेक यादव, शनि यादव, घमंडी लाल, साहिल कुशवाहा, मोहित लक्ष्यकार, धर्मेंद्र खटीक, मास्टर मुन्नालाल, प्रमेन्द्र सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गणेश मड़िया स्थित गजानन गणपति मंदिर में पुरुषोत्तम मास एवं गणेश चतुर्थी पर हुआ भव्य धार्मिक आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी । पुरुषोत्तम मास के पवित्र माह एवं गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर गणेश मड़िया स्थित प्राचीन गजानन गणपति महाराज मंदिर में धार्मिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। जय बजरंग सेना की प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती रजनी वर्मा के मुख्य आतिथ्य में यह आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

प्रात:काल भगवान श्री गणेश का पंचामृत, दूध, दही, घी, शहद व गंगाजल से भव्य अभिषेक किया गया। प्रदेश अध्यक्षा रजनी वर्मा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना की गई। मंदिर परिसर घंटा-घड़ियाल और ' ? गं गणपतये नम: ' के मंत्रों से गुंजायमान रहा। सायंकाल महिलाओं द्वारा भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक से बढ़कर एक मधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिस पर उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर होकर नृत्य करने लगे। पूरा वातावरण 'गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया' के जयकारों से भक्तिमय हो गया। भजन संध्या के समापन पर सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही सौभाग्यवती महिलाओं को सुहाग सामग्री भेंट कर उनके अखंड सौभाग्य एवं परिवार की सुख-शांति की मंगलकामना की गई। इस पावन अवसर पर सीमा कंचन, नीलम ताम्रकार, ममता शिवहरे, प्रियंका अग्रवाल, मालती सोनी, पूनम सोनी, सीमा वर्मा, संगीता तिवारी, आशा तिवारी, शोभा सोनी, नंदिनी वर्मा, मधु वर्मा किरण तिवारी रश्मि वर्मा सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं क्षेत्रीय श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में जय बजरंग सेना की प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती रजनी वर्मा ने मंदिर समिति के पदाधिकारियों, कार्यक्रम में सहयोग करने वाली सभी महिलाओं एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देते हैं।

परमार्थ संस्था ने प्रस्तुत की पूलन नदी पुनर्जीवन की कार्ययोजना, विश्व पर्यावरण दिवस पर होगा संरक्षण संकल्प

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी । बुंदेलखंड के झाँसी जिले में भीषण गर्मी और जल संकट के बीच एक सकारात्मक और उम्मीद जगाने वाली पहल सामने आई है। बबीना विकासखंड की सात ग्राम पंचायतों की जीवनरेखा मानी जाने वाली ऐतिहासिक पूलन नदी के पुनर्जीवन की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर परमार्थ समाज सेवी संस्थान ने मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर दी है। आगामी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्रामीण, जल सहेलियाँ एवं सामाजिक संगठन नदी तट पर एकत्र होकर वृक्षारोपण करेंगे तथा नदी संरक्षण और पुनर्जीवन का संकल्प लेंगे।

पहुज नदी की प्रमुख सहायक पूलन नदी का उद्गम बबीना विकासखंड के डगरवाहा ग्राम से होता है। लगभग 16 किलोमीटर की यात्रा तय करते हुए यह नदी पलिंदा तालाब से होकर पहुज नदी में मिल जाती है। वर्षों से यह नदी क्षेत्र के लोगों के लिए केवल जल स्रोत नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण केंद्र रही है। कार्तिक स्नान, भुजरिया विसर्जन, जवारे विसर्जन तथा नदी पूजन जैसे अनेक पारंपरिक आयोजन इसके तट पर होते रहे हैं। यह नदी ऐसे क्षेत्र से होकर गुजरती है जहाँ गर्मियों में गंभीर जल संकट बना रहता है, फिर भी जून माह तक इसके कई हिस्सों में पानी बना रहता है और आसपास के गाँवों को राहत प्रदान करता है। हालाँकि पिछले कुछ वर्षों में अतिक्रमण, अवैध निर्माण तथा जल संरचनाओं के क्षतिग्रस्त होने के कारण नदी के अस्तित्व पर संकट गहराने लगा है। हाईटेक सिटी से सिजवाहा रोकबंध तक नदी के दोनों किनारों पर बढ़ती भूखंड कटाई और निर्माण गतिविधियों से नदी का प्राकृतिक स्वरूप प्रभावित हुआ है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में चिंता बढ़ी है। परमार्थ समाज सेवी संस्थान द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना में नदी के प्राकृतिक प्रवाह को पुनर्स्थापित करने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य प्रस्तावित किए गए हैं। जल संसाधन विभाग और ग्राम पंचायतों के सहयोग से नदी में जमी गाद की सफाई की जाएगी। पुराने रोकबंधों की मरम्मत के साथ नए रोकबंधों का निर्माण किया जाएगा। राजस्व विभाग द्वारा नदी क्षेत्र का सीमांकन कराया जाएगा ताकि भविष्य में अतिक्रमण और अवैध निर्माण को रोका जा सके। नदी तटों पर जल तारा, जल रिसाव कुंड, दोहे एवं अन्य पारंपरिक जल संरक्षण संरचनाएँ विकसित की जाएँगी, जिससे वर्षा जल का संचयन बढ़े और भूजल पुनर्भरण के माध्यम से नदी का प्रवाह लंबे समय तक बना रहे। इस पूरी प्रक्रिया को जलग्रहण क्षेत्र आधारित दृष्टिकोण के तहत लागू किया जाएगा। परमार्थ समाज सेवी संस्थान के प्रमुख एवं बुंदेलखंड के जल पुरुष संजय सिंह ने बताया कि पूलन नदी इस पूरे क्षेत्र की जल सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। नदी के कारण आसपास के गाँवों का भूजल स्तर संतुलित बना रहता है। यदि यह नदी सूख जाती है तो क्षेत्र में गंभीर जल संकट उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने बताया कि झाँसी के जिलाधिकारी गौरांग राठी ने नदी पुनर्जीवन को प्राथमिकता देते हुए मुख्य विकास अधिकारी, बबीना के खंड विकास अधिकारी तथा संबंधित विभागों को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए थे। उसी क्रम में जिला प्रशासन, परमार्थ समाज सेवी संस्थान, जल सहेलियों और स्थानीय समुदाय के सहयोग से यह विस्तृत योजना तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत तीन नए रोकबंधों का निर्माण, पुराने जल ढाँचों की मरम्मत, नदी तटों पर व्यापक वृक्षारोपण, जल तारा एवं जल रिसाव कुंड जैसी संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। साथ ही पलिंदा तालाब को भी व्यवस्थित और सुदृढ़ किया जाएगा, ताकि वर्षा जल का अधिकतम संचयन हो सके और नदी को वर्षभर जल उपलब्ध होता रहे। परमार्थ संस्था का मानना है कि जिला प्रशासन, ग्राम पंचायतों, जल सहेलियों और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से पूलन नदी को पुन: जीवंत बनाया जा सकता है। विश्व पर्यावरण दिवस पर लिया जाने वाला यह संरक्षण संकल्प न केवल नदी के पुनर्जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा, बल्कि बुंदेलखंड में जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन का प्रेरणादायी उदाहरण भी बनेगा।

एनएसएस गतिविधियों में रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय बना प्रेरणा का केंद्र : डॉ. मंजू सिंह

-एनएसएस विश्वविद्यालय सलाहकार समिति की तृतीय बैठक सम्पन्न, उत्कृष्ट कार्यों की हुई सराहना

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) विश्वविद्यालय सलाहकार समिति की तृतीय बैठक गुरुवार को विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने वंचित एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को प्रदान की जा रही शैक्षणिक सहायता की सराहना करते हुए कहा कि एनएसएस इकाइयों को ऐसे विद्यार्थियों तक पहुंच बनानी चाहिए जो स्वयं को अलग-थलग महसूस करते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों से विश्वविद्यालय के जरूरतमंद विद्यार्थियों को सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने का आह्वान किया।

बैठक में विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाइयों द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों, विशेष शिविरों एवं सामुदायिक कार्यक्रमों की समीक्षा की गई तथा भावी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में लखनऊ से आयीं एनएसएस राज्य अधिकारी डॉ. मंजू सिंह ने विश्वविद्यालय की एनएसएस गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली अन्य संस्थानों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने विशेष रूप से इस बात का उल्लेख किया कि विश्वविद्यालय में रविवार जैसे अवकाश के दिनों में भी एनएसएस गतिविधियों का नियमित संचालन किया जाता है, जो स्वयंसेवकों की सक्रियता एवं सेवा भावना को दर्शाता है। एनएसएस क्षेत्रीय कार्यालय के प्रमुख समरदीप सक्सेना ने सुझाव दिया कि एनएसएस दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यक्रम अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों को सम्मानित किया जाए, इससे उनके समर्पण को उचित पहचान मिले तथा अन्य स्वयंसेवक भी प्रेरित हों। कार्यक्रम का शुभारम्भ एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आरपी यादव के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों का पुष्पगुच्छ, स्मृति-चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। इसके पश्चात उन्होंने गत बैठक की कार्यवाही पर हुई प्रगति एवं अनुपालन संबंधी प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए आगामी सत्र के लिए प्रस्तावित एजेंडा बिंदुओं को समिति के समक्ष रखा। समिति के सदस्यों ने विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाइयों द्वारा गत वर्ष की तुलना में किए गए उल्लेखनीय सुधारों एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। साथ ही कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन, प्रलेखन तथा प्रतिवेदन प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए। विश्वविद्यालय की एनएसएस गतिविधियों, विशेष शिविरों, सामुदायिक सेवा कार्यक्रमों एवं वर्षभर की उपलब्धियों पर आधारित वार्षिक प्रतिवेदन का प्रस्तुतीकरण एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनीता पुयाम ने किया। बैठक में स्वयंसेवकों की सहभागिता बढ़ाने, संस्थागत समन्वय को मजबूत करने तथा विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के विस्तार पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर डॉ सुशील कुमार सिंह, डॉ एसके चतुर्वेदी, डॉ आरके सिंह, डॉ मनीष श्रीवास्तव, डॉ मनमोहन डोबरियाल, डॉ गौरव शर्मा, डॉ प्रशांत जंभुलकर, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. सुशील, क्षेत्रीय कार्यक्रम अधिकारी पुष्पेन्द्र यादव, डॉ. शिवेन्द्र सिंह, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. बिजीलक्ष्मी देवी एवं डॉ. विनोद कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बांदा में योगी सरकार की नीतियों से बढ़ा धान का रकबा, अब दलहन-तिलहन पर विशेष जोर

(यंग भारत न्यूज)

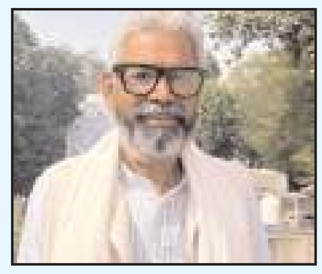

बांदा: उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा बुंदेलखंड क्षेत्र के किसानों को दी जा रही आधुनिक सुविधाओं के कारण बांदा जिले में कृषि के क्षेत्र में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। सरकार द्वारा सिंचाई, न्यूनतम समर्थन मूल्य और उन्नत बीजों की समय पर उपलब्धता कराने से जिले में हर साल धान की बुवाई का दायरा (रकबा) बढ़ रहा है। खरीफ सीजन में बांदा के किसान तय लक्ष्य से अधिक जमीन पर धान की बुवाई कर रहे हैं। जिससे पैदावार में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है और स्थिति यह है कि अब सरकार ने यहां पर धान की बढ़ रही लगातार पैदावार को देखते हुए यहां के धान की पैदावार के लक्ष्य को कम किया है और दलहन और तिलहन की फसलों का लक्ष्य बढ़ाने का फैसला लिया है।

पलायन रुका, नौकरी छोड़ खेती की तरफ लौट रहे युवा

पर्यावरणविद् और पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ने इस सकारात्मक बदलाव पर खुशी जाहिर की है। इन्होंने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और सिंचाई संसाधनों में लगातार विस्तार किया जा रहा है जिसके कारण बांदा का किसान अब 'पानीदार' हो रहा है। इन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ा सामाजिक असर यह हुआ है कि क्षेत्र से होने वाला पलायन अब रुक गया है और शहर गए पढ़े-लिखे युवा अब अपनी नौकरियां छोड़कर गांवों की तरफ लौट रहे हैं और आधुनिक खेती अपनाकर शानदार मुनाफा कमा रहे हैं।

धान की जगह अब दलहन-तिलहन को बढ़ावा देगी सरकार

कृषि विभाग के आंकड़ों और जमीनी हकीकत को देखते हुए सरकार अब नई रणनीति पर काम कर रही है। बांदा के उप कृषि निदेशक डॉ. अभय कुमार यादव ने बताया कि हमारे जिले में पर्याप्त सिंचाई संसाधनों के चलते धान की पैदावार तो लगातार बढ़ रही है, लेकिन इसके कारण स्थानीय किसान दलहन और तिलहन की फसलों से दूरी बना रहे हैं। जिसके चलते इस असंतुलन को ठीक करने के लिए योगी सरकार ने अब धान के निर्धारित लक्ष्य (टारगेट) को कम करने का फैसला किया है। इन्होंने बताया कि सरकार का पूरा ध्यान अब किसानों को दलहन और तिलहन की खेती के लिए प्रेरित करने और उन्हें इसके लिए विशेष सुविधाएं व लक्ष्य देने पर केंद्रित है, ताकि बुंदेलखंड की कृषि को और अधिक विविधीकृत और टिकाऊ बनाया जा सके।

- **सिंचाई, एमएसपी और बीज की सुविधाएं मिलने से हर साल बढ़ रहा धान की बुवाई का दायरा**
- **योगी सरकार ने किसानों के लिए बढ़ाई सुविधाएं तो धान की पैदावार में होने लगी साल दर साल बढ़ोतरी**

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718